उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्ष: 10 || अंक:35 || पृष्ठ: 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 29 सितंबर 2025

अंदर के पृष्ठों पर

इयोढ़ी घाट में बनेगा विश्व का सबसे बड़ा भगवान धन्वंतरि का मंदिर, भूमि पूजन किया 3

अवनीश दीक्षित को छह माह के लिए कानपुर से किया जिलाबदर 4

जोसेफ विजय की रविवार को तमिलनाडु की रैली में

भगदड़ से 39 लोगों की मौत

» 8 बच्चे और 16 महिलाएं हैं। 50 से अधिक घायल विभिन्न अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं

» बीपीएस न्यूज

करूर। तमिलनाडु के करूर जिले में तमिलनाडु वेत्री कलागम (टीवीके) पार्टी नेता जोसेफ विजय की रविवार को हुई रैली के दौरान भगदड़ में 39 लोगों की जान चली गई। इनमें 8 बच्चे और 16 महिलाएं हैं। 50 से अधिक घायल विभिन्न अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।इस घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

रविवार शाम करीब 7 बजे करूर के वेलुसामीपुरम इलाके में अभिनेता से नेता बने तमिलनाडु वेत्री कलागम (टीवीके) पार्टी प्रमुख जोसेफ विजय की फ्रवेलिचम वेलियेरुफ्र नामक चुनावी रैली में भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 50 से अधिक लोग घायल लोगों का इलाज जारी है।

आर्थिक मदद और जांच की घोषणा

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये और घायलों को 1 लाख रुपये की आर्थिक मदद का आदेश दिया।राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज अरुणा जगतीशन की अगुवाई में एक सदस्यीय दल का गठन किया है।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने जताया शोकराष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

उन्होंने घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने को लेकर प्रार्थना की।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने घटना में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

जबकि जोसेफ विजय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि घटना से उनका दिल टूट गया है और इससे उन्हें असहनीय पीड़ा पहुंची है।उन्होंने मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है।

एआईएडीएमके महासचिव और पार्टी नेता एडप्पादी पलानीस्वामी ने शोक संदेश जारी कर कहा कि करूर की एक चुनावी सभा में हुई भगदड़ में 39 से ज़्यादा लोगों की मौत और कई अन्य के बेहोश होने की खबर बेहद दुखद है।

पार्टी की तरफ से पूर्व मंत्री विजयभास्कर को सरकारी अस्पताल जाकर वहाँ भर्ती लोगों की मदद का निर्देश दिया गया है।

तमिलनाडु भगदड़ पर पीएम मोदी ने जताया शोक, मृतकों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि घोषित

» बीपीएस न्यूज

करूर भगदड़ की त्रासदी में 39 लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री मोदी ने संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजे का ऐलान किया। इस दुखद घटना पर केंद्र सरकार सक्रिय हुई, जहां केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया।प्रधानमंत्री ने कहा, तमिलनाडु के करूर में एक राजनीतिक रैली के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं इस कठिन समय में उन्हें शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।प्रधानमंत्री मोदी ने घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

कोटा में टीवी एक्टर वीर शर्मा और उनके भाई की घर में आग लगने से मौत

» बीपीएस न्यूज

कोटा । कोटा जिले में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दीप श्री अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर बी-403 में भीषण आग लगने से दो मासूम भाइयों की मौत हो गई। हादसे के समय दोनों बच्चे कमरे में सो रहे थे और दम घुटने से उनकी जान चली गई। घटना के वक्त उनके पिता घर पर नहीं थे, वे जागरण कार्यक्रम में गए हुए थे, जबकि मां किसी काम से मुंबई गई हुई थीं। मृतकों की पहचान 15 वर्षीय शौर्य शर्मा और 10 वर्षीय वीर शर्मा के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि शौर्य आईआईटी की तैयारी कर रहा था, जबकि वीर टीवी सीरियल श्रीमद रामायण में भरत का किरदार निभा चुका था। वह जल्द ही सैफ अली खान की आने वाली फिल्म में उनके बचपन का रोल निभाने वाला था।

जानकारी के मुताबिक, पड़ोसियों ने फ्लैट से धुंआ निकलता देखा और पिता को सूचना दी।

जब दरवाजा खोला गया तो अंदर आग लगी हुई थी और धुंआ पूरे घर में फैल चुका था। सूचना पर अनंतपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उच्चाधिकारियों को जानकारी दी। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम और एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। दोनों शवों को मोर्चरी में रखवाया गया।

एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी और बच्चों की मौत दम घुटने से हुई। घटना के समय कमरे में एसी चालू था और गेट-खिड़कियां बंद थीं। आग से एयर कंडीशनर, सोफा, एलईडी टीवी और अन्य विद्युत उपकरण जलकर राख हो गए।

फिलहाल बच्चों की मां मुंबई से कोटा लौट रही हैं। पिता ने इच्छा जताई है कि दोनों बच्चों की आंखें (आई डोनेट) दान करवाई जाएं। पोस्टमार्टम मां के आने के बाद ही करवाया जाएगा। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है।

लेह शहर में रविवार को लगातार पाँचवें दिन कर्फ्यू जारी

लेह। हिंसा प्रभावित लेह शहर में रविवार को लगातार पाँचवें दिन कर्फ्यू जारी है। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता प्रतिबंधों में ढील देने के बारे में फैसला लेने के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक करने वाले हैं।

लेह सर्वोच्च निकाय (एलएबी) द्वारा लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की माँग पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए बुलाए गए बंद के दौरान व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद बुधवार शाम को कर्फ्यू लगा दिया गया था। शनिवार को शहर में पहली बार चरणबद्ध तरीके से चार घंटे की ढील दी गई और यह ढील शांतिपूर्ण रही।

लखीमपुर-सीतापुर मार्ग पर भीषण हादसा -5 की मौत, 10 घायल

» डीएम-एसपी पहुंचे जिला चिकित्सालय, घायलों का लिया हालचाल

» बीपीएस न्यूज

लखीमपुर खीरी। रविवार को जिले के लखीमपुर-सीतापुर मार्ग पर दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। रोडवेज बस और ओमनी वैन की भिड़ंत में कुल पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई, जिनमें एक मासूम बच्चा भी शामिल है। 10 लोग घायल हुए, जिनमें से तीन का उपचार जिला चिकित्सालय ओयल में चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा है, जबकि सात गंभीर घायलों को राजधानी लखनऊ रेफर किया गया।

डीएम-एसपी पहुंचे जिला चिकित्सालय, घायलों का लिया हालचाल

दुर्घटना की सूचना पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा तुरंत जिला चिकित्सालय ओयल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों का हालचाल लिया और परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। चिकित्सकों से मेडिकल ट्रीटमेंट की जानकारी ली और बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डीएम-एसपी ने लखनऊ रेफर किए गए सात घायलों के उपचार की व्यवस्था पर भी वार्ता की।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि लखीमपुर सीतापुर मार्ग पर हृदय विदारक दुर्घटना हुई है, जिसमें 05 लोगों की मृत्यु हो गई है। 10 लोग घायल हैं। सभी अधिकारियों को घायलों की हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की ओर से सभी घायलों की हर संभव मदद की जा रही है। घटना में गंभीर रूप से 07 घायलों को प्राथमिक उपचार देने के उपरांत जिला चिकित्सालय से एएलएस एंबुलेंस के जरिए लखनऊ भिजवाया।इसके बाद डीएम एसपी दुर्घटना स्थल पहुंचकर जायजा लिया, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए।इस दौरान एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, सीओ सिटी, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डीएम ने लखीमपुर-सीतापुर सड़क मार्ग से जिला अस्पताल जाने वाले जर्जर मार्ग का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर पीडी (डीआरडीए) एसएन चौरसिया को सीसी रोड का प्रस्ताव

पांच दिन की हिरासत में भेजा गया आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती

» आरोपी ने आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को निशाना बनाया

» शनिवार को आगरा पहुंचे थे चैतन्यानंद

» 16 ने बयान दर्ज कराए हैं

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । दिल्ली के वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट-रिसर्च में 17 छात्राओं के साथ छेड़छाड़ के आरोपीस्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को दिल्ली पुलिस ने 27 सितंबर की रात आगरा से गिरफ्तार किया। आरोपी स्वामी चैतन्यानंद को आगरा, यूपी के होटल फर्स्ट ताजगं से गिरफ्तार किया गया है। चैतन्यानंद पर कई छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगे हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस चैत्यानंद को मेडिकल जांच के लिए सफदरजंग अस्पताल दिल्ली लेकर आई। इसके बाद पटियाला कोर्ट में पेशी हुई। अदालत ने चैत्यानंद को पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद के पास से दो फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किए हैं। एक कार्ड में उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी राजदूत और दूसरे में ब्रिक्स संयुक्त आयोग का सदस्य और भारत का विशेष दूत बताया गया है। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस अब ये पता करेगी कि आरोपी स्वामी के साथ कौन-कौन लोग मिले हुए थे। पुलिस आरोपी को उन जगहों पर ही लेकर जाएगी, जहां आरोपी छात्राओं को अपनी महंगी कारों में लेकर गया था। आरोपी स्वामी ने प्रधानमंत्री कार्यालय का भी अपना फर्जी पहचान पत्र बनवा रखा था। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार चैतन्यानंद 50 दिनों से फरार था और उसकी आखिरी लोकेशन आगरा में मिली थी। दिल्ली पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही थी। चैतन्यानंद को वसंत कुंज पुलिस स्टेशन लाया गया है, जहां पूछताछ जारी है।आगरा के जिस होटल से स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती को गिरफ्तार किया गया था, उसके रिसेप्शनिस्ट भरत ने बताया कि चैतन्यानंद शनिवार शाम करीब 4 बजे वहां पहुंचे। उन्होंने आगे बताया कि उनके ठहरने के दौरान उनसे मिलने कोई नहीं आया। भरत ने कहा कि नाइट शिफ्ट में काम करने वाले कर्मचारी ने उनकी एंट्री की थी। रात में लगभग 3-30 बजे दो पुलिसकर्मी वहां पहुंचे, जिन्होंने खुद को दिल्ली क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर बताया। पुलिस के मुताबिक आरोपी छात्राओं को धमकाकर, अश्लील मैसेज भेजकर और विदेश यात्रा का लालच देकर अपने जाल में फंसाता था। उसने कई बार स्टूडेंट को देर रात कमरे में बुलाया और कम ग्रेड देने की धमकी दी। जांच के दौरान बरामद वॉट्सएप मैसेज में सामने आया था कि चैतन्यानंद छात्राओं को बेबी, आई लव यू, आई अडोर यू जैसे मैसेज भेजता था। इसके साथ ही उनके बालों और कपड़ों की भी तारीफ करता था। पुलिस की जांच में ये भी सामने आया कि तीन महिला वार्डन और फैकल्टी भी आरोपी की मदद करती थीं। वे छात्राओं पर दबाव डालकर चैट्स डिलीट करवाती और उन्हें चुप रहने के लिए कहती थीं। आरोपी ने ईडब्ल्यूएस कोटे की छात्राओं को टारगेट किया क्योंकि वे आर्थिक रूप से कमजोर थीं और स्कॉलरशिप पर पढ़ रही थीं। 32 छात्राओं से पूछताछ हुई।

हरियाणा से पकड़ा गया पाकिस्तानी जासूस सेना की गोपनीय जानकारी भेजता था

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसियों से मिली गुप्त सूचना के आधार पर अपराध जांच शाखा (सीआईए) पुलिस ने जासूसी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आलीमेव गांव निवासी तौफिक (35) के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ देशद्रोह समेत कई धाराओं में शहर थाना में केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी की पुष्टि सीआईए प्रभारी पी/एसआई दीपक ने की है। युवक पर भारतीय सैन्य गतिविधियों से जुड़ी गोपनीय जानकारी पाकिस्तान उच्चायोग को भेजने का आरोप लगा है।

अपनी बात....

सपादकीय ....

यूएन में ट्रंप की मसखरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का जैसा अगंभीर व असामान्य व्यवहार नजर आया, उससे कहीं से नहीं लगा कि वे विश्व की एक महाशक्ति का नेतृत्व कर रहे हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया में युद्धों को समाप्त करने के लिये सिर्फ बयानबाजी नहीं, ठोस रणनीति व गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है। संयुक्त राष्ट्र में डोनॉल्ड खुद को लगातार जबरदस्ती एक शांति के मसीहा के तौर पर पेश करते रहे हैं। उन्होंने दावा दोहराया कि उनके नेतृत्व में दुनिया में सात युद्धों को समाप्त किया गया। दावा कि उन्होंने संघर्ष को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया। जबकि इसके विपरीत उनके भाषण का सार कुछ और ही दर्शाता है। साफ नजर आया कि एक ऐसा नेता जो स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक सहयोग के स्तंभों को ही कमजोर कर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पूंजीपति सरोकारों के अनुरूप उन्होंने 'जलवायु परिवर्तन को अब तक का सबसे बड़ा धोखा' बताकर खारिज कर दिया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों से पूरी दुनिया में जन-धन की व्यापक क्षति हो रही है। इसके चलते सूखे, बाढ़ व विनाशकारी तूफानों से पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा खतरे में नजर आ रही है। जो मानव जीवन को लगातार संघर्षमय बना रहे हैं। ट्रंप का शांति बनाये रखने के दावे करना और जलवायु परिवर्तन की वास्तविकता को नकारना, उनके विरोधाभासी व्यवहार को ही दर्शाता है। साथ ही उनकी बयानबाजी के खोखलेपन को ही उजागर करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि उन्होंने विश्वव्यापी प्रवासन को 'राष्ट्रों को नष्ट करने वाली' शक्ति बताकर निंदा की, जो मानवता के खिलाफ दुर्भावना ही कही जाएगी। बेहतर भविष्य और सुखमय जीवन की तलाश में प्रवासन सदियों से मानव इतिहास का हिस्सा रहा है। जिसने विभिन्न समाजों को नया आकार दिया है और प्रगति को नई गति दी है।निस्संदेह, प्रवासियों को खतरे के रूप में पेश करना जेनोफोबिया को बढ़ावा देना है। जो वैश्विक समुदायों को विभाजित करने की कुत्सित कोशिश है। ऐसे संघर्ष को रोकने के बजाय इस तरह की गैरजिम्मेदार बयानबाजी सामाजिक आक्रोश और विभाजन को ही जन्म देगी। कालांतर ये विकसित राष्ट्रों में आए प्रवासियों के विरुद्ध नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देगा। निस्संदेह, प्रवासियों के लिये अपने दरवाजे बंद करने से शांति सुनिश्चित नहीं होती। आज जब आधुनिक तकनीक व संचार क्रांति के चलते दुनिया के एक गांव में तब्दील होने की बात कही जाती है तो यह सोच नितांत अतार्किक व मानवीय मूल्यों की विरोधी ही है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र पर ट्रंप का हमला करना और इसे 'अप्रभावी और पाखंडी करार देना'- उनके कथित शांतिदूत होने के दावे को कमजोर करता है। माना कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी सीमाएं हैं, लेकिन आज के संघर्षरत विश्व में यह एकमात्र वैश्विक निकाय है, जो संवाद, मानवीय राहत और शांति स्थापना के लिये कारगर विकल्प प्रस्तुत करता है। खुद को शांति के संरक्षक के रूप में प्रस्तुत करते हुए, इस पर अनुचित तरीके से हमला करना, उन्हीं संस्थाओं को कमजोर करना है, जो दुनिया को युद्ध के संकट से बचाने का काम करती हैं। बहरहाल, घटनाक्रम का भारत के लिये स्पष्ट सबक है कि हमें वाशिंगटन के साथ मजबूत संबंध बनाये रखते हुए, अलगाववादी-संशयवादी राजनीति में नहीं फंसना चाहिए। इसके बजाय, भारत को बहुपक्षवाद, जलवायु नेतृत्व और समावेशी वैश्विक शासन पर दुगनी गति से जोर देना चाहिए। शांति को केवल सैन्य संयम तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसके लिये साझी मानवीय चुनौतियों से मुकाबले के लिये सहयोग की आवश्यकता है। ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए भाषण ने एक अन्य विरोधाभास को भी उजागर किया, कि एक तरफ तो यह नेता युद्धों को समाप्त करने के नाम पर वाहवाही लूटने का श्रेय लेने हेतु तमाम तरह के प्रपंच करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर भविष्य में युद्धों को भड़काने वाली परिस्थितियों को हवा भी देता है। यदि हम दुनिया में सही मायनों में शांति स्थापना की आकांक्षा रखते हैं तो उसके लिये एकजुटता की जरूरत होती है।

कटुता-क्रिकेट और बेहतर रिश्तों की उम्मीद

ललित गर्ग

ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे सशस्त्र बलों के बीच अधिक एकीकरण और आत्मनिर्भरता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। इस संदर्भ में हाल ही में कोलकाता में संयुक्त कमांडरों को प्रधानमंत्री का संबोधन कई...ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे सशस्त्र बलों के बीच अधिक एकीकरण और आत्मनिर्भरता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। इस संदर्भ में हाल ही में कोलकाता में संयुक्त कमांडरों को प्रधानमंत्री का संबोधन कई दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है। हालांकि रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के लिए वित्तीय आवंटन बढ़ाना भी जरूरी है। कोलकाता में 15 सितंबर को आयोजित 16वें संयुक्त कमांडर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन में दिया एक संदर्भ बहुत अहम है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली बार था जब प्रधानमंत्री सेना के शीर्षस्थ अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

इसमें कोई संदेह नहीं कि खेल खेल के लिए भी देखा जाता है, शायद देखा भी इसीलिए जाना चाहिए। लेकिन जब मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच हो तो बात खेल तक ही सीमित नहीं रहती, यह भी सच है। दोनों देशों के रिश्तों को देखते हुए यह सही भी है। लेकिन ग़लत यह भी नहीं है कि ऐसे खेलों का एक उद्देश्य रिश्ते सुधारना भी होता है।दुबई का यह मैच जिन स्थितियों में खेला गया, उनमें यह उम्मीद करना कि इससे रिश्ते सुधर जायेंगे, सही नहीं लगता। हमने यह भी देखा कि खेल के लिए सिक्का उछालते वक्त दोनों कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाये थे और खेल समाप्त होने के बाद भी खिलाड़ियों के लिए हाथ मिलाने की परंपरा को भी नहीं निभाया गया। पाकिस्तान के कप्तान ने तो आगे बढ़कर हाथ मिलाना चाहा था, पर हमारे कप्तान और हमारी सारी टीम ने इसमें रुचि नहीं दिखाई। और यह सही भी था। पहलगाम में पाकिस्तान की शह पर, और पाकिस्तान के समर्थन से आतंकवादियों ने मनुष्यता को कलंकित करने वाला जो घिनौना कार्य किया था, उसके बाद भारत के खिलाड़ियों द्वारा ऐसा कुछ न किया जाना हैरान करने वाली बात होती। हमारी टीम के कप्तान ने इस विजय को 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम देने वाले हमारे जांबाज सैनिकों और पहलगाम में शहीद हुए भारतीय पर्यटकों के परिवारों को समर्पित किया है। यह सब यही बताता है कि हाथ न मिलाने वाली यह घटना अनायास नहीं हुई थी, निश्चित रूप से पहले इस बारे में निर्णय ले लिया गया होगा।देश में कुछ लोगों को, या कइयों को, इस निर्णय से शिकायत है। उन्हें लग रहा है कि पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश के साथ हमें क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। उनका कहना है कि 'खून और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते'। बात ग़लत भी नहीं लगती। पाकिस्तान ने जो कुछ किया है, और जो कुछ कर रहा है, वह भुलाने या क्षमा करने लायक नहीं है। इसकी सज़ा उसे मिलनी ही चाहिए। 'ऑपरेशन सिंदूर' इसी सज़ा का एक हिस्सा है। यह भी सही है कि हमारी यह कार्रवाई अभी समाप्त नहीं हुई। हमने अभी इस 'ऑपरेशन' को 'स्थगित' ही किया है। पता नहीं, इस स्थगन का क्या मतलब है और कार्रवाई का अगला कदम कब उठाया जायेगा। यह हमारी सरकार को तय करना है। लेकिन कुछ ऐसा भी है जो हमें यानी देश के नागरिकों को तय करना है। पाकिस्तान ने पहलगाम में जो कुछ किया, उससे उपजा गुस्सा आसानी से, और जल्दी से, शांत नहीं हो सकता। देश में गुस्सा है, होना भी चाहिए। पाकिस्तान दोनों देशों के रिश्तों के बारे में जो कुछ कर रहा है, उसे विवेकहीनता के संदर्भ में ही समझा जाना चाहिए। हमने सारी दुनिया को यह बात बताई है, और अधिकांश देशों ने हमारे दृष्टिकोण को समझा- स्वीकारा है। पाकिस्तान कब समझेगा, यह कहना मुश्किल है, लेकिन एक विवेकशील देश होने के नाते हमारी यह कोशिश होनी चाहिए कि हम अपने इस पड़ोसी देश को समझाएं कि वह जो कर रहा है वह हर दृष्टि से ग़लत है।पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था 'हम अपना पड़ोसी नहीं बदल सकते'। इस बात को समझने की आवश्यकता है—और पाकिस्तान को समझाने की भी। वाजपेयी जी ने यह कोशिश की थी। बशीर बद्र का एक शे'र भी सुनाया था उन्होंने पाकिस्तानियों को—'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे/ फिर कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों।' यह शर्मिंदगी पाकिस्तान को समझनी चाहिए।बहरहाल, मुल्कों की दुश्मनी को अनंतकाल के लिए लटकाये नहीं रखा जा सकता। आखिर हम चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा ही रहे हैं। तरेसठ साल पहले, 1962 में, चीन ने हमारी पीठ में छुरा घोंपा था। उसके बाद हमारी ज़मीन के बड़े हिस्से पर उसने कब्जा कर रखा है। अभी हाल तक वह भारत-विरोधी गतिविधियां करता रहा है। इस सबके बावजूद हम चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा ही रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में दोस्त और दुश्मन स्थाई नहीं हुआ करते, देशों को समय और स्थितियों के अनुसार अपनी नीतियां बदलनी पड़ती हैं। हां, इस बारे में सावधानी बरतना एक महत्वपूर्ण शर्त है। उसका समर्थन किसी भी दृष्टि से नहीं किया जा सकता।

वे हिन्दू होते हुए भी मिशनिरियों की गुलामी कर रहे हैं

भारत माता को डायन और दुर्गा मां को अपशब्द, ये समाज की गंदगी

राजनीतिक विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

मिर्जापुर में सोशल मीडिया पर कमाई और व्यू के चक्कर में नवरात्रि में मां दुर्गा को अपशब्द कहने वाली महिला की गिरफ्तारी ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर मुहर लगा दिया है । चंद सिक्कों में धर्म बेच चुके ऐसे लोगों की बहुत बड़ी संख्या है जो मुफ्त का पैसा मिले तो कुछ भी गा और खा सकते हैं, उसका कारण है कि अभिव्यक्ति की आजादी ने सब बर्बाद कर रखा है । मिर्जापुर जिला, जिसमें माँ दुर्गा का प्रसिद्ध तीर्थ फ्रबिंध्याचल जीफ्र अवस्थित है। यूपी बिहार का तो शायद ही कोई गाँव हो जहां से दस लोग हर नवरात्र में बिंध्याचल धाम न जाते हों। सनातन आस्था के प्रमुख केंद्रों में से एक है वह स्थान, सो वहीं से गंदगी परोसने की शुरुआत की गई। उधर दूसरी घटना आजम खां करीब दो साल के बाद जेल से बाहर आ गए है मीडिया के मुताबिक इनकी रैली में भारत माता को डायन कहा गया था ।

अब ये भी नवरात्र में जमानत पर निकल आए , इन्हें अभी इलाज भी कराना है । जाहिर है राजनीति में हैं चर्चित तो रहेंगे ही । वैसे नेताओं का कुछ पता नहीं होता । लेकिन संभवतः आजम खां अखिलेश के साथ अब वैसे न रहें । अखिलेश उनके बाहर आने पर घबराए हुए हैं । वे जानते हैं कि आजम उनसे बहुत नाराज हैं । आजम ने खुद मीडिया से कहा कि दो साल में कोई भी बड़ा नेता उनसे मिलने नहीं आया । यूपी में 2027 में चुनाव हैं सो मिर्जापुर वाली घटना और आजम दोनको पर दांव खेला जा रहा ।

मैंने अलग अलग न्यूज चैनल के पेज पर टिप्पणियां पढ़ीं, उस फूहड़ औरत और आजम की गालीबाजी का समर्थन करने वालों की संख्या भी कम नहीं। उसके समर्थन में खड़े होने वालों में अधिकांश ऐसे होंगे जिनकी उनमें पूरी आस्था होंगी और पूरी आस्था से लड़ते है।

पर राजनीति में अंधे हो चुके लोग जैसे अपनी समझ भी गिरवी रख चुके हैं। वे हिन्दू होते हुए भी मिशनिरियों की गुलामी कर रहे हैं। कभी कभी लगता है, एक साथ कितने मोर्चों पर लड़ना होगा निर्दोष हिन्दुओं को ? सत्तर वर्षों में पूरी तरह स्थापित हो चुका विदेशी चक्र प्रभावी तो है ही, दूसरे उसे ध्वस्त करने के प्रयास भी बहुत हल्के हैं। कैसे टूटेगा यह चक्र? केवल सरकारी प्रयासों से टूटता तो नहीं दिख रहा है। मुस्लिम वोटों पर आजम की पकड़ सहानुभूति में और भी मजबूत हो गई है । हालांकि भारत माता को डायन कहने का जो महापाप आजम ने किया है , उसका शाप तो उन्हें ताउम्र भुगतना पड़ेगा । अब जबकि आजम खां करीब दो साल के बाद जेल से बाहर आए गए है । जाहिर है अखिलेश उनके बाहर आने पर घबराए हुए हैं । वे जानते हैं कि आजम उनसे बहुत नाराज हैं । यही वजह है कि अखिलेश उनसे मिलने अब रामपुर जाने वाले हैं । आजम ने खुद मीडिया से कहा कि दो साल में कोई भी बड़ा नेता उनसे मिलने नहीं आया । साफ है उनकी नाराजगी सपा के तमाम बड़े नेताओं से है । यह जरूर है कि फिलहाल आजम खां योगी विरोधी आंदोलनों को हवा दे सकते हैं । लेकिन बसपा में जाएंगे या नहीं , यह कहना अभी संभव नहीं ।

ओवैसी की तरह मुस्लिमों की राजनीति आजम खां के कितनी काम आएगी , यह समझने में थोड़ा वक्त लगेगा। आजम खां जिन गुनाहों में जेल गए , उन गुनाहों का शिकार होने वाले 80त्न मुस्लिम हैं । बड़ी बेशर्मी से उन्होंने गरीबों की जमीनें कब्जाई , बददुवाएं पाई । इधर ऐसे ही एजेंडे के तहत दो-तीन दिन पहले उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से वह कथित गायिका आरेस्ट हुई जो लम्बे समय से माँ दुर्गा के लिए के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए गीत गाती थी। उसके साथ उसका पति और आधा दर्जन और पकड़े गए। ऐसी विद्रोही स्त्रियां और असफल पुरुष स्वभाव से ही लालची होते हैं। इन महोदया के अभद्र होने के पीछे भी यही कारण था। ऐसी हरकतों से तनिक प्रसिद्धि और पैसे भी मिल जाती है, वह लोभ भी रहा होगा। खैरज वह पकड़ी गयी, और अब जेल में है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि उसने फलाँ के कहने पर यह सब किया है।

कहने वाले ने उसे बताया था कि वह सुप्रीम कोर्ट में महिसासुर का केस जीत चुका है, इसलिए मां दुर्गा को गाली देने में अब कोई खतरा नहीं। आप उस गायिका की तस्वीर देखें तो ही समझ जाएंगे कि उसका बौद्धिक स्तर इतना ही है। उसने सचमुच यह मान लिया होगा कि केस जीता जा चुका है, अब गाली देने में कोई खतरा नहीं.इसके बाद उसने यह भी बताया कि वे पति-पत्नी पहले ही ईसाई धर्म कबूल चुके हैं। कुछ लोगों को इसपर आश्चर्य हो रहा होगा, पर मुझे पहले से ही इस बात पर पूर्ण विश्वास था। आप यकीन कीजिये, यदि कोई व्यक्ति देवी देवताओं को गाली दे रहा है तो इसका एक ही अर्थ है कि वह धर्म छोड़ कर ईसाई हो चुका है। वह नाम से किसी भी हिन्दू वर्ग, जाति का दिख रहा हो, पर यकीनन वह अपना धर्म विदेशी पैसों पर बेंच चुका होता है।

वह यदि भारतीय मूल के किसी भी सम्प्रदाय में होता तो देवी देवताओं को गाली नहीं दे रहा होता। आजम खां ऐसे समय में जेल से बाहर आए हैं जब इस्लामिक जेन जी को अचानक प्रोड्यूस किया गया है । 11 साल के दौरान देश जिन दंगों से मुक्त चला आ रहा था , अब उन्हें पूरी तरह प्रोजेक्ट करने की तैयारी नेताओं ने की है । जाहिर है आजम के पास काम की कमी नहीं होगी ।

। वे हिन्दू होते हुए भी मिशनिरियों की गुलामी कर रहे हैं। कभी कभी लगता है, एक साथ कितने मोर्चों पर लड़ना होगा निर्दोष हिन्दुओं को ? सत्तर वर्षों में पूरी तरह स्थापित हो चुका विदेशी चक्र प्रभावी तो है ही, दूसरे उसे ध्वस्त करने के प्रयास भी बहुत हल्के हैं। कैसे टूटेगा यह चक्र? केवल सरकारी प्रयासों से टूटता तो नहीं दिख रहा है। मुस्लिम वोटों पर आजम की पकड़ सहानुभूति में और भी मजबूत हो गई है । हालांकि भारत माता को डायन कहने का जो महापाप आजम ने किया है , उसका शाप तो उन्हें ताउम्र भुगतना पड़ेगा ।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

फूलबाग लाइब्रेरी का होगा आधुनिकीकरण, हुआ भूमि पूजन, नगर निगम आठ करोड़ रुपये से कराएगा निर्माण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने मंगलवार को गांधी भवन फूलबाग में ई-लाइब्रेरी निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। यह कार्य आठ करोड़ रुपये से होंगे। नगर निगम मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत ई-लाइब्रेरी का आधुनिकीकरण करा रहा है।

इस लाइब्रेरी के फर्श की मरम्मत, टाइल्स बिछाना, फर्नीचर बदलने के साथ ही सेंट्रल एसी, 50 कंप्यूटर, डिजिटल लाइब्रेरी, आईटी कंपोनेंट, वाईफाई, इंटीरियर डेकोरेशन, फाल्स सीलिंग, 250 कुर्सी-मेज, पीने के पानी, शौचालय, पुताई, प्रवेश द्वार का सुंदरीकरण, लाइटिंग, स्टाफ रूम बनेगा।

इनमें से सिविल कार्य और आईटी संबंधी कार्यों के लिए अलग-अलग टेंडर किए गए हैं। डिजिटल लाइब्रेरी में नॉलेज पोर्टल, सिंगल सर्च डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। दिव्यांगों के उपयोग के लिए 10 उपकरण लगेंगे।

नगर आयुक्त के अनुसार इस डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन से पाठकों एवं विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित अध्ययन सामग्री, ई-किताबें, ई-न्यूज़पेपर, ई-जर्नल्स, ई-मैग्जीन, मॉक टेस्ट प्लेटफार्म, 35000 पुस्तकों का डिजिटाईजेशन, अन्य शैक्षणिक संसाधन, बहुभाषी अनुवाद सुविधा, वाई-फाई कनेक्टिविटी, सर्वर, 10 केवीए यूपीएस आदि सुविधाएं मिलेंगी। यहां विधायक अमिताभ बाजपेई, क्षेत्रीय पार्षद यशपाल सिंह, नगर निगम के मुख्य अभियंता एसएफए जैदी आदि रहे।

मुठभेड़ में आजमगढ़ व बांदा के इनामी समेत तीन असलहा तस्कर गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

फतेहपुर। गाजीपुर पुलिस ने चेकिंग दौरान रात को अंतर जनपदीय तीन असलहा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक डकैती मामले में आठ साल से फरार 25 हजार का इनामी भी पकड़ा गया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी असलहा तस्करी को घूम रहे थे। धरपकड़ के बाद मंगलवार दोपहर पुलिस एक आरोपी की निशानदेही पर छिपाए असलहे बरामदगी को पहुंची। जहां आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस की फायरिंग में आरोपी बाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस ने औगासी पुल पर बांदा जिला शहर कोतवाली निमनीपार निवासी फईम उर्फ राजू खां, अब्दुल, आजमगढ़ जिला रानी का सरायं थाने के सिरसाल निवासी हेशाम शेख उर्फ हासिम को दो बाइकों से आते समय गिरफ्तार किया। पूछताछ में एक बाइक की चोरी निकली। पांच तमंचा, एक पिस्टल, 14 कारतूस बरामद की। आरोपियों में फईम 2017 से एक व्यापारी के साथ डकैती में जाफरगंज थाने से फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक ने उस पर 25 हजार इनाम घोषित किया था। सीओ दुर्गेश दीप ने बताया कि इनामी की सूचना पर रात को धरपकड़ की गई। पूछताछ दौरान सामने आया कि तीनों असलहों की तस्करी करते हैं। औगासी पुल के पास हेशाम शेख ने असलहे छिपाए हैं। उसे पुलिस मंगलवार दोपहर असलहे बरामदगी को लेकर गई। जहां हेशाम शेख ने छिपाये स्थान से तमंचा निकालते ही पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में हेशाम शेख उर्फ हासिम बाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया। मौके से तीन तमंचे बरामद हुए। पुलिस को कुल आठ तमंचे, एक पिस्टल देशी, कारतूस, एक चोरी समेत दो बाइक, तीन डेबिट कार्ड, दो पैनकार्ड, एक आधार कार्ड, एक क्रेडिट कार्ड, एक की-पैड मोबाइल, दो मोबाइल बरामद किए हैं।

बांदा का शातिर फईम उर्फ राजू का आपराधिक नेटवर्क है। उसके नेटवर्क में वाराणसी, गाजीपुर, आजमगढ़ के अपराधी हैं। उसने जाफरगंज में व्यापारी के साथ डकैती की वारदात को वाराणसी के बदमाशों संग अंजाम दिया था। इन दिनों आजमगढ़ के बदमाश को बुलाया था। माना जा रहा है कि कहीं लूट को अंजाम दे चुका है। आजमगढ़ में हेशाम के खिलाफ गैंगस्टर समेत कई अपराधी हैं।

सीएनजी सिटी बस चालक गए हड़ताल पर, परिवहन सेवा ठप

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएनजी बस चालकों ने ड्यूटी न मिलने और दीपावली पर बोनस न देने पर विरोध जताया है। पहले से ही शहर में सिटी सीएनजी बसों का संचालन कम था और अब मंगलवार को संविदा चालकों ने हड़ताल कर दी। इससे विभिन्न रूटों पर सीएनजी बसें नहीं चलीं। इस कारण बिल्हौर, घाटमपुर, रामादेवी से आईआईटी के बीच सवारियों को दिक्कत हुई।हड़ताल की वजह से रामादेवी से मंधना जाने वाली दो नंबर बस फुल होकर गई। सुबह करीब 100 संविदा चालक फजलगंज डिपो पहुंचे। श्यामा एंड श्यामा कंपनी के एमडी से बात की तो उन्होंने कहा कि जो वाहन चलाएगा, उसी को किलोमीटर के हिसाब से भुगतान होगा। इस पर चालक भड़क गए और नारेबाजी करते हुए हड़ताल का एलान कर दिया। इसके बाद एक भी बस डिपो के बाहर नहीं निकलने दी। दिनभर सवारियां भटकती रहीं। कुछ ने ई-बसों का सहारा लिया तो कुछ ई-रिक्शा और ऑटो से गए। श्यामा एंड श्यामा कंपनी का अनुबंध अक्तूबर में खत्म हो रहा है। अभी 170 में से सिर्फ 20 बसें ही चल रही हैं। इनकी भी आयु अक्तूबर में पूरी हो जाएगी। परिवहन निगम ने कंपनी का अनुबंध नहीं बढ़ाया है। इस वजह से हर चालक को ड्यूटी नहीं मिल पा रही है। बता दे कि शहर में सीएनजी सिटी बसों का संचालन कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (केसीटीएसएल) कराती है।सीएनजी बसें अब धीरे-धीरे कम हो रही हैं क्योंकि इनकी आयु सीमा समाप्त हो रही है। कंपनी का अनुबंध बढ़ा नहीं है। मुख्यालय स्तर पर नई बसें लाने की प्रक्रिया चल रही है।

कारोबारी ने दरोगा पर पीटकर 26 हजार छीनने का आरोप लगाया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। खाकी पर एक बार फिर से रुपये छीनने का गंभीर आरोप लगा है। इस बार यह आरोप सरसौल के बिल्डिंग मेटेरियल कारोबारी ने लगाया है। कारोबारी ने मंगलवार को आपबीती का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया। साथ ही डीसीपी पूर्वी से लिखित शिकायत की है।सरसौल निवासी सरिया सीमेंट कारोबारी शीलू यादव ने डीसीपी पूर्वी को शिकायती पत्र दिया। आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले क्राइम ब्रांच व सरसौल चौकी के दरोगाओं ने इलाके में जुआ पकड़ा था। इसमें 20 अज्ञात लोगों के साथ उनका नाम भी डाल दिया। आरोप है कि 18 सितंबर को वह गाड़ी से खेत की ओर जा रहे थे। रास्ते में चौकी के दरोगाओं ने रोक लिया और चौकी ले गए। वहां पीटने के बाद छोड़ने के एवज में दो लाख रुपये की मांग की।

ड्योढ़ी घाट में बनेगा विश्व का सबसे बड़ा भगवान धन्वंतरि का मंदिर, भूमि पूजन किया गया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर में गंगा किनारे ड्योढ़ी घाट पर धनवंतरि सेवा समिति भगवान धन्वंतरि का विश्व का सबसे बड़ा मंदिर बनाएगी। इसकी नींव मंगलवार को राष्ट्रीय आयुर्वेदिक दिवस के मौके पर रखी गई। मंदिर निर्माण के लिए सुखवीर मलिक की अध्यक्षता और स्वामी अभयानंद के संरक्षण में भूमि पूजन किया गया।समिति के पदाधिकारियों ने बताया मंदिर की प्रमुख विशेषताओं में समुद्र मंथन, चक्र, बॉटिनिकल गार्डन तथा आयुर्वेद से संबंधित ऋषियों सुश्रुत, अगस्त, वागभट्ट आदि की प्रतिमाएं प्रमुख रूप से स्थापित की जाएंगी।संस्था के महासचिव अमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान धन्वंतरि यह सबसे बड़ा मंदिर होगा। प्रवेश द्वार पर वासुकी नाग की प्रतिमा रहेगी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कप्तान सिंह के साथ धनवंतरि सेवा समिति के संरक्षक अरुण भाटिया, संयोजक राम प्रकाश कुशवाहा, विक्रम सिंह, सौरभ महाना, दीपक सोनी, कपिल बाजपेई, डॉ अनिल कुमार चतुर्वेदी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ट्राला से कुचलकर बाइक सवार नवविवाहिता की मौत, पति व भतीजी घायल, मचा कोहराम

सर्वेश ने बताया कि भौंती बाईपास पर पीछे से आए कंटेनर ने बाइक में टक्कर मार दी। ठोकर लगने से पत्नी उछलकर सड़क पर गिरी। पीछे से आ रहे ट्राला के पहिये के नीचे आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक घिसटने से दूसरी तरफ गिरी भतीजी खुशी को गंभीर चोटें आईं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह भौंती बाईपास पर तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से उछलकर गिरी नवविवाहिता को पीछे से आ रहे दूसरे ट्राला ने कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सड़क पर बाइक घिसटने से पति और बीच में बैठी भतीजी भी घायल हो गई। नवविवाहिता मायके में अखंड पाठ में शामिल होने जा रही थी।

महाराजपुर के मवैया गांव निवासी रामप्रसाद के अनुसार उन्होंने 18 अप्रैल 2025 को छोटी बेटी अर्चना (24) की शादी कानपुर देहात के गजनेर के करसा गांव निवासी किसान सर्वेश कुमार से की थी। सोमवार को घर में अखंड रामायण पाठ की शुरुआत हुई थी। मंगलवार की सुबह 10 बजे बेटी अर्चना, भतीजी खुशी व दामाद सर्वेश के साथ बाइक से आ रहे थे।

सर्वेश ने बताया कि भौंती बाईपास पर पीछे से आए कंटेनर ने बाइक में टक्कर मार दी।

ठोकर लगने से पत्नी उछलकर सड़क पर गिरी। पीछे से आ रहे ट्राला के पहिये के नीचे आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक घिसटने से दूसरी तरफ गिरी भतीजी खुशी को गंभीर चोटें आईं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में सर्वेश को भी चोटें आई हैं।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचीं अर्चना की मां दयादेवी व पिता रामप्रसाद शव देखकर बदहवास हो गए। पनकी इंस्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से वाहनों और उनके चालक के बारे में पता किया जा रहा है। परिजनों की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।हादसे में बेटी की जान जाने के बाद परिजन पोस्टमार्टम हाउस में भड़क गए। परिजन दामाद को देखते ही उसे पीटने के लिए दौड़ पड़े लेकिन उसने कोई विरोध नहीं किया। ससुरालीजनों के अनुसार हादसा जानबूझकर नहीं किया गया। इस पर मायके पक्ष के लोग शांत हुए। मृतका के पिता रामप्रसाद ने बताया कि अर्चना छह भाई-बहनों में सबसे छोटी थी।

सड़क किनारे अधजले शव से हड़कंप, हत्या कर बोरे में फेंका शव

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मथुरापुर गांव में सड़क किनारे एक बोरे के अंदर युवक का अधजला शव मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस ने हत्या कर शव को जलाकर फेंकने की आशंका जताई है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के मथुरापुर गांव में सड़क किनारे झाड़ियों में एक बोरे के अंदर युवक का अधजला शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है, लेकिन फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

यह मामला तब सामने आया जब राहगीरों ने सड़क किनारे बोरे के पास कुत्तों के एक झुंड को देखा। संदेह होने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब बोरा खोलकर देखा, तो उसमें एक युवक का बुरी तरह जला हुआ शव मिला।ऐसा प्रतीत होता है कि हत्या के बाद पहचान छिपाने के लिए शव को जलाया गया और फिर बोरे में भरकर फेंका गया। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है?

ताकि मृतक की पहचान हो सके।

बेटियों की शादी अब आसान, सरकार उठाएगी पूरा खर्च

कानपुर। गरीब परिवारों की बेटियों की शादी अब सम्मान और भव्यता के साथ होगी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना 2025-26 के अंतर्गत सरकार पूरा खर्च उठाएगी। कानपुर नगर को इस बार 959 जोड़ों का लक्ष्य मिला है। पहला सामूहिक विवाह 2 नवम्बर को होगा। इसके लिए आवेदन प्रारंभ हो चुका है। खास बात यह है कि विवाह केवल शुभ लग्न पर ही होंगे।

सरकार प्रत्येक विवाह पर एक लाख रुपये खर्च करेगी। इसमें 60 हजार रुपये सीधे कन्या के खाते में भेजे जाएंगे, 25 हजार रुपये की गृहस्थी सामग्री मिलेगी और 15 हजार रुपये पंडाल, भोजन व रोशनी जैसी व्यवस्थाओं पर खर्च होंगे। यह सहायता गरीब परिवारों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं मानी जा रही।योजना का लाभ लेने के लिए कन्या उत्तर प्रदेश की मूल निवासी होनी चाहिए तथा परिवार की सालाना आय तीन लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। विवाह की तिथि पर कन्या की आयु 18 वर्ष और वर की 21 वर्ष अनिवार्य है। अविवाहित, विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा कन्याएँ भी पात्र हैं। निराश्रित और दिव्यांग कन्याओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

विवाह से कम से कम एक सप्ताह पहले तक विभागीय पोर्टल 222.ष्द्दह्य14.ह्वश्चह्यस्रष्द्दश्1.द्दड्ड पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और बैंक पासबुक की छायाप्रति अपलोड करनी होगी।

ईशा हत्याकांड में दोषी पूर्व दरोगा ज्ञानेंद्र सिंह को उम्रकैद, सबूतों के अभाव में पांच बरी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पूर्व दरोगा ज्ञानेंद्र सिंह ने पत्नी की हत्या कर शव कौशांबी में फेंका था। सिर्फ धड़ ही मिला, सिर की बरामदगी नहीं हो सकी थी।

दस साल पहले हुए ईशा हत्याकांड में दोषी पूर्व दरोगा ज्ञानेंद्र सिंह को अपर जिला जज चतुर्थ शुचि श्रीवास्तव ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। ज्ञानेंद्र पर पर 60 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। वहीं सबूतों के अभाव में पांच आरोपियों को बरी कर दिया गया है। काकादेव नवीन नगर निवासी विनीता सचान की बेटी ईशा ने मूसानगर थानाध्यक्ष रहे चित्रकूट निवासी ज्ञानेंद्र सिंह से 10 मार्च 2013 को शादी की थी।

इसी साल उन्हें एक बच्चा भी हो गया लेकिन अचानक एक दिन ईशा को ज्ञानेंद्र के पहले से शादीशुदा होने की जानकारी मिली तो दोनों में विवाद हो गया। ईशा मायके आ गई फिर वर्ष 2015 में ईशा के मामा ने अपने घर पर दोनों को बुलाकर समझौता करा दिया। 18 मई 2015 को ज्ञानेंद्र ईशा के मायके पहुंचा और मां विनीता सचान से उनकी कार लेकर ईशा को मुक्तादेवी मंदिर में दर्शन कराने की बात कहकर साथ ले

गया। विनीता और ईशा की रात आठ बजे तक बात हुई लेकिन इसके बाद ईशा और ज्ञानेंद्र दोनों का फोन बंद हो गया। विनीता काकादेव थाने पहुंची लेकिन पति-पत्नी का मामला बताकर उन्हें टरका दिया गया।

एसएसपी के आदेश पर अगले दिन काकादेव थाने में ज्ञानेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई। 22 मई को काकादेव एसओ को कौशांबी के महेवा घाट में एक सिरकटी लाश मिलने की सूचना मिली। इस पर विनीता अपने बेटे ऐश्वर्य राज, भाई अजय सचान व कुछ और लोगों के साथ कौशांबी पहुंची जहां टैटू, उंगली पर बंधी पट्टी, हाथ घड़ी

व कुछ जेवरात को देखकर विनीता ने शव की शिनाख्त अपनी बेटी ईशा के रूप में की थी।

एडीजीसी प्रदीप वाजपेई व वादी के अधिवक्ता विष्णु कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमे की विवेचना के बाद पुलिस ने चित्रकूट निवासी ज्ञानेंद्र सिंह, ट्रैवल एजेंसी संचालक निराला नगर निवासी मनीष कठेरिया व उसके भाई बच्चा कठेरिया, बारादेवी निवासी अर्जुन सिंह व अवंतिका और दामोदर नगर निवासी आदर्श कुमार सविता के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में पेश की थी। अभियोजन की ओर से 11 जबकि बचाव पक्ष की ओर से दो गवाह कोर्ट में पेश हुए। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने ज्ञानेंद्र को दोषी मानकर सजा सुनाई। अधिवक्ता सुधीर द्विवेदी और मो. सलीम ने बताया कि अभियोजन अपनी कहानी को साबित करने के लिए कोर्ट में कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सका जिसके चलते कोर्ट ने मनीष कठेरिया, बच्चा कठेरिया, अर्जुन सिंह, अवंतिका और आदर्श कुमार सविता को बरी कर दिया।

215 सीसीटीवी कैमरों के सहारे पांच मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार, काकादेव पुलिस ने की कार्रवाई

कानपुर। काकादेव पुलिस ने गीतानगर, गुटैया क्रॉसिंग और नमक फैक्टरी चौराहे पर लगे 215 सीसीटीवी कैमरों की मदद से पांच मोबाइल लुटेरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से तीन मोबाइल, एक स्कूटी और एक बाइक बरामद की है। यह कार्रवाई गीतानगर में रहकर नीट की तैयारी कर रही इटावा की सृष्टि बघेल के साथ 20 सितंबर को हुई मोबाइल लूट की वारदात के बाद हुई।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि इटावा की रहने वाली छात्रा से मोबाइल लूट हुई थी। काकादेव पुलिस ने कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। वह कोचिंग पढ़कर छात्रावास लौट रही थी तभी पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों ने वारदात को अंजाम दिया। फुटेज के आधार पर रावतपुर कच्ची मड़ैया निवासी गोविंद, दीपक, ईशू, निखिल गौतम और राहुल को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों ने पूछताछ में मोबाइल लूट की अन्य वारदातें भी कबूलीं। आरोपी राह चलते मोबाइल फोन पर बात करने वालों को निशाना बनाते थे। निखिल गौतम के खिलाफ पूर्व में रावतपुर, कल्याणपुर, अर्मापुर और काकादेव थाने में नौ एफआईआर हैं।

अखिलेश दुबे ने धमकाकर लिखवाई थी युवती से होटल कारोबारी के खिलाफ दुष्कर्म की झूठी तहरीर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कारोबारी पर झूठा आरोप लगाने वाली बहराइच की प्रियंका सरकारी गवाह बनी। इसी तहरीर से अखिलेश ने नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज करा 2.5 करोड़ रुपये वसूले थे।

अधिवक्ता अखिलेश दुबे के इशारों पर स्वरूपनगर के होटल कारोबारी सुरेश पाल और उसके साथी पर सामूहिक दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाने वाली युवती सरकारी गवाह बन गई है। उसने कोर्ट में दिए बयान में कहा है कि उसने अखिलेश दुबे के कहने पर जो झूठा आरोप लगाया था। बात न मानने पर अखिलेश ने जान से मारने की धमकी दी थी। पहले से लिखी तहरीर पर उससे जबरन हस्ताक्षर बनवा लिए गए थे। बाद में इसी से नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई थी।

झूठा आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराने वाली युवती बहराइच जिले की निवासी

प्रियंका त्रिपाठी है। पुलिस के संपर्क करने पर प्रियंका ने सोमवार को न्यायालय में अपने बयान दर्ज कराए हैं। बताया कि जब यह मामला हुआ था वह नाबालिग थी और साकेतनगर निवासी अखिलेश शुक्ला के घर में किराये पर रहती थी। साथ ही अधिवक्ता अखिलेश दुबे के यहां काम करती थी। पांचवीं पास युवती के मुताबिक अखिलेश दुबे और अखिलेश शुक्ला एक दूसरे के पूर्व परिचित थे। अखिलेश दुबे ने उसे एक कागज दिया और कहा कि इस पर नीचे की तरफ अपना नाम लिख दो। इस कागज पर दो लोगों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाने की बात लिखी थी। उसने विरोध किया, कहा कि वह दोनों लोगों को नहीं जानती है ऐसे में उन पर इतना गंभीर आरोप कैसे लगा सकती है। इस पर अखिलेश दुबे ने डराया, कहा कि शहर में रहना है तो जैसा कह रहा हूं वैसा करो। इसके बाद वह डर गई और कागज पर अपना नाम लिख दिया। बाद में पता चला कि उस कागज से नौबस्ता थाने में दो लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इन सबके कुछ दिनों बाद अखिलेश ने उसे गांव भिजवा दिया था। कहा था कि मामला खत्म हो गया है। उसे नहीं पता था कि इस सब के पीछे क्या साजिश थी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि युवती ने बयान दर्ज करा दिए हैं। उसने अखिलेश पर डरा धमकाकर बयान झूठे आरोपों वाली तहरीर पर हस्ताक्षर करने की बात कही है। युवती ने बयान में अखिलेश शुक्ला नामक व्यक्ति का जिक्र आया था। जांच में पता चला कि पिछले साल उसका निधन हो चुका है।

प्रभारी मंत्री ने की कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा

कानपुर। शहर की कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने पुलिस कमिश्नर को महिला अपराधों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मेट्रो निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मकानों को यूपीएमआरसी की ओर से बनवाने के लिए कहा। जनप्रतिनिधियों के फोन उठाने की शिकायत पर अधिकारियों को कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

बुधवार को प्रभारी मंत्री उच्च शिक्षा विभाग योगेंद्र उपाध्याय की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में समीक्षा बैठक हुई। चौबेपुर जिला पंचायत सदस्य ने बीडीओ के फोन न उठाने की शिकायत की तो वह भड़क गए। उन्होंने बीडीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश डीएम को दिए। अन्य जनप्रतिनिधियों ने फोन न उठाने और कार्यक्रमों में न बुलाने की शिकायत की। इस पर मंत्री ने ऐसा करने वाले अफसरों को कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक से गायब प्रदूषण अधिकारी पर कार्रवाई के लिए कहा ।कानून व्यवस्था की चर्चा में पुलिस कमिश्नर ने पीपीटी के माध्यम से वसूलीबाज तथाकथित पत्रकार, नॉन प्रैक्टिशनर वकील दीनू उपाध्याय व अखिलेश दुबे गैंग पर हुई कार्रवाई की जानकारी दी। बताया कि जिले के नौ बड़े भूमाफिया गैंग और दुष्कर्म का झूठा मुकदमा लिखाने वाली महिलाओं समेत अन्य पर कार्रवाई की जा रही है।

महाराजपुर थाने और सरसौल चौकी के पांच दरोगा, दो सिपाही लाइन हाजिर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर थाने और उसकी सरसौल चौकी में तैनात पांच दरोगा और दो सिपाहियों को बुधवार देर रात लाइन हाजिर कर दिया गया। इनके खिलाफ कई वीडियो वायरल हुए, जिसमें दो युवकों ने मारपीट करने, वसूली और धमकाने के गंभीर आरोप लगाए थे। एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय ने बुधवार देर रात पीड़ित और आरोपी पुलिसकर्मियों के बयान लिए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पुलिसकर्मियों ने ही एक दूसरे के खिलाफ शिकायत के लिए वीडियो वायरल कराए हैं, जिसके बाद सातों को लाइन हाजिर कर दिया गया। मारपीट, वसूली और धमकी देने की जांच चल रही है ।महाराजपुर थाने और सरसौल चौकी के दरोगा और सिपाहियों ने 13 सितंबर को जुए में 10 से 12 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें कई आरोपी फरार हो गए थे। इसी तरह 20 सितंबर को गांजे की तस्करी में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिसमें से तीन को जेल भेज दिया था। पुलिसकर्मियों ने जुए और गांजे की तस्करी के आरोपियों से चोरी छिपे वसूली चालू कर दी थी। कुछ लोगों को पुलिस चौकी में लाया गया। उनकी पिटाई हुई और रुपये देने का दबाव बनाया गया। इस मामले में दो पीड़ितों की ओर से वीडियो वायरल हुए। इन वीडियो का संज्ञान लेकर अधिकारियों ने एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय को मामले की जांच सौंपी गई। उन्होंने बुधवार को शिकायतकर्ता और आरोपी पुलिसकर्मियों के बयान लिए ।दरोगा प्रदीप कुमार, आशीष कुमार, विष्णु कुमार, रवि शंकर, शैलेंद्र सिंह और सिपाही बंटी कुमार व सुल्तान सिंह शामिल हैं।

दरोगा कार के नंबर प्लेट में की थी हेराफेरी

दरोगा प्रदीप कुमार पर आरोप है कि वह जिस काले रंग की स्कॉर्पियो से चलता है, उसका नंबर यूपी 78 एएन 0265 है। हालांकि नंबर प्लेट में काले रंग के टेप की मदद से शून्य और छह को आठ अंक में तब्दील किया गया है। यह नंबर प्लेट 8285 नजर आता है। इसकी जांच भी चल रही है ।एसीपी कैंट ने मामले की जांच की, जिसमें पता चला कि वायरल वीडियो पुलिसकर्मियों ने ही कराए हैं। जांच प्रभावित न हो उसके लिए पांच दरोगा और दो सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया गया ।महाराजपुर थाने के तीन दरोगा पर मारने, पीटने और रुपये छीनने के आरोप लगे हैं। बुधवार को क्षेत्र के एक युवक का वीडियो वायरल हो रहा है। एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय ने मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक को पुलिस ने गांजा रखने के आरोप में पकड़ा था। बाद में उसे निर्दोष बताकर छोड़ दिया गया था ।महाराजपुर थाने के पुलिसकर्मियों पर मंगलवार को युवक ने जुए के आरोप में पकड़ने और रुपये लेकर छोड़ने का आरोप लगाया था। उसका वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो के 24 घंटे बाद ही महाराजपुर क्षेत्र के गुलाब खेड़ा निवासी बबलू यादव ने तीन दरोगा पर आरोप लगाया है। उसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

नगर निगम ने पार्क में डांडिया के आयोजन पर लगाई रोक

कानपुर। नगर निगम ने पनकी में बिना अनुमति पार्क में डांडिया के आयोजन पर रोक लगा दी है। महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने इसके लिए संपत्ति विभाग को आदेश जारी किए हैं। वार्ड-57 पनकी बी ब्लॉक स्थित श्रीराम एजुकेशन सेंटर के पीछे पार्क में 25 सितंबर को शाम छह बजे से डांडिया कार्यक्रम होना है ।नगर आयुक्त के मुताबिक पार्क में किसी भी प्रकार के आयोजन पर प्रतिबंध है। आयोजन के लिए नगर निगम का संपत्ति विभाग पार्क की जगह आवंटित करता है ।हाईकोर्ट व सुप्रीमकोर्ट के आदेश के अनुसार पार्कों में कोई भी वैवाहिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद बिना अनुमति लिए डांडिया कार्यक्रम हो रहा है ।नोटिस जारी कर डांडिया कार्यक्रम पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही आयोजक पर कार्रवाई करने की बात भी कही गई है।

अवनीश दीक्षित को छह माह के लिए किया जिलाबदर

विकास दुबे के बाद दूसरे नंबर का सबसे बड़ा गैंग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस ने मैरी एंड मैरीमेन स्कूल की 1000 करोड़ की संपत्ति कब्जाने के मामले में मुख्य आरोपी अवनीश दीक्षित समेत चार अपराधियों को जिलाबदर किया है। अवनीश के गैंग को कानपुर का दूसरा सबसे बड़ा गैंग घोषित किया गया है।

कानपुर में सिविल लाइन स्थित मैरी एंड मैरीमेन स्कूल की 1000 करोड़ रुपये की कीमत की नजूल की संपत्ति पर कब्जा करने के मामले में कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्य आरोपी अवनीश दीक्षित को छह महीने के लिए जिलाबदर कर दिया गया है। इसके अलावा, तीन अन्य अपराधियों को भी जिलाबदर किया गया है। बता दें कि 28 जुलाई 2024 को कोतवाली पुलिस ने जमीन कब्जाने के आरोप में गिरफ्तार कर अवनीश दीक्षित को जेल भेज दिया था। मामले में कोतवाली इंस्पेक्टर ने हरेंद्र मसीह व अवनीश दीक्षित, राहुल वर्मा, मौरिस एरियल, कमला एरियल, अभिषेक एरियल, अर्पण एरियल, जीतेश झा, संदीप शुक्ला, विक्की चार्ल्स, अली अब्बास, जितेन्द्र शुक्ला, विवेक पांडेय, मनोज यादव, मो. वसीम, अखलाख अहमद के खिलाफ 3200 पेज की चार्जशीट कोर्ट में लगाई थी। आरोपितों को डकैती और गिरोह बनाकर कब्जा करने समेत धाराओं का आरोपित बनाया था ।पुलिस ने अवनीश के गैंग को कानपुर के पहले इंटररेंज गैंग-के रूप में पंजीकृत किया है। इसमें 26 सदस्य हैं। यह वर्तमान में दूसरे नंबर का गैंग है। विकास दुबे के गैंग में 30 सदस्य हैं और वह सबसे बड़ा गैंग है। अवनीश पर नवीन मार्केट स्थित क्रिस्टल पार्किंग पर कब्जा कर अवैध वसूली करने और मारपीट का आरोप लगा था। इसके साथ ही पुलिस ने रेऊना के रूपनगर निवासी वकील को तीन माह के लिए और नौबस्ता ए ब्लॉक निवासी शंकर राइडर वह धारी पुरवा निवासी आयुष गुप्ता को छह माह के लिए जिला बदर किया है।

संदिग्ध ऑटो को बाबूपुरवा पुलिस ने रोका, ऑटो छोड़ ड्राइवर सहित बैठे युवक हुए फरार

कानपुर। रात 9ः15 पर बाबूपुरवा बगाही मेन रोड पर बगही चौकी से आफताब चौहान अपने साथी के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तो उन्हें क्क78 – छ्व्रअ5617 एक संदिग्ध ऑटो जाता दिखाई दिया जिसमें कई लड़के सवार थे ।जिस पर आवाज लगाकर ऑटो को रोकना चाहा तो ऑटो पर बैठे लड़के सहित चालक चलता ऑटो छोड़ फरार हो गए। तब तक वहां भीड़ इकट्ठा हो गई तब तक बगही चौकी से और पुलिस साथी आ गए। भीड़ से पुलिस ने ऑटो चालक के बारे में पूछा तो लोगों ने जानकारी होने से इनकार कर दिया। क्षेत्र के लोगों द्वारा ऑटो को थाने भिजवाया गया। और ऑटो को पुलिस द्वारा सीज करने की बात कही गई।

महिलाओं से कागज पर अंगूठा लगवा रिपोर्ट कराता था अखिलेश

कानपुर। कानपुर में अधिवक्ता संदीप शुक्ला के खिलाफ दुष्कर्म के फर्जी मामले में एफआईआर कराने वाली युवती के सादे कागजों पर अंगूठे के निशान लगवाकर एफआईआर की साजिश रची गई। उसे बड़ी बहन की शादी के लिए रुपयों की जरूरत थी। आरोपियों ने 10 हजार रुपये देकर ब्याज के नाम पर चार-पांच सादे पन्नों पर हस्ताक्षर करा लिए। इनका इस्तेमाल कर कोर्ट के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज कराई गई। यह बात कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट में कही है।

करीब 250 पेज की चार्जशीट में अखिलेश दुबे, पप्पू स्मार्ट, गुड्डू गुप्ता और चकेरी की महिला का नाम शामिल है। पुलिस महिला और गुड्डू गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अखिलेश दुबे भाजपा नेता रवि सतीजा के मामले में पहले से जेल में है। संदीप शुक्ला ने पिछले महीने कोतवाली में अखिलेश दुबे, पप्पू स्मार्ट समेत 10 लोगों पर धमकी देने और दुष्कर्म के मामले को समाप्त करने के लिए रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कोतवाली इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पांडेय के मुताबिक चकेरी निवासी महिला मूलरूप से इटावा की रहने वाली है। उसकी जान पहचान उसी के क्षेत्र की महिला विनेश यादव से थी। वह चकेरी क्षेत्र में रह रही थी। विनेश ने ही पप्पू स्मार्ट से उस महिला की जान पहचान कराई। उसने संदीप पांडेय के खिलाफ कल्याणपुर थाने में दुष्कर्म की रिपोर्ट कराई थी। दूसरी एफआईआर नौबस्ता थाने में लाल बंगले की युवती के नाम पर हुई थी।

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में तीन को बंदी का एलान, मौलाना नोमानी ने की अपील

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खलीलुर्रहमान सज्जाद नोमानी ने पटकापुर स्थित मदरदा जामे उल उलूम में आयोजित इस्लाही मजलिस में वक्फ संशोधन बिल के विरोध में तीन अक्तूबर को बंदी का एलान किया। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल हमारे अधिकारों का हनन है।वहीं, आई लव मोहम्मद के बारे में कहा कि इसका प्रयोग किसी को चिढ़ाने या भड़काने के लिए न करें। इसे लेकर प्रदर्शन न करें। कुछ ताकतें बेरोजगारी, महंगाई, महिला सुरक्षा के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए हिंदू-मुस्लिमों के बीच में नफरत फैलाने की साजिश रच रही हैं। इनसे सावधान रहने की जरूरत है। कोई ऐसा कदम न उठाएं जिसके नतीजे अच्छे न हों। उन्होंने अपील की कि अपने किरदार से मोहब्बत का पैगाम दें। इसके बाद मौलाना नोमानी ने हलीम कॉलेज में आयोजित कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया। जमीयत उलेमा के प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी और मुतवल्ली खुसरू ताज ने लोगों का स्वागत किया। संचालन मुफ्ती माज कासमी ने किया। मदरसे में मुफ्ती अब्दुर्रशीद कासमी, मुफ्ती एस के कासमी आदि मौजूद रहे।

सीएम ग्रिड शिलान्यास कार्यक्रम में दिखा राजनीतिक ड्रामा, भाजपा के मंच से सपा विधायक रूमी ने दिया भाषण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएम ग्रिड सड़क शिलान्यास के एक कार्यक्रम में सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी का भाजपा के झंडे लगे मंच से भाषण देते हुए वीडियो वायरल हुआ है। विधायक रूमी ने इसे सरकारी कार्यक्रम बताते हुए कहा कि झंडा देखते ही उन्होंने विरोध दर्ज कराकर मंच छोड़ दिया था।कानपुर के चकेरी क्षेत्र में शनिवार को सीएम ग्रिड की सड़क निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में भाजपा के झंडे वाले मंच से सपा के छावनी विधायक मोहम्मद हसन रूमी का भाषण देते वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि मंच पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और महापौर प्रमिला पांडेय बैठी हैं।

मंच पर लगे माइक के सामने भाजपा का झंडा लगा हुआ है और विधायक अपना भाषण दे रहे हैं। भाषण में उन्होंने

मॉडल सड़क बनने और इसके लिए विधायक सतीश महाना का भी योगदान होने की बात कही। वीडियो वायरल होते ही शहर के राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। इस संबंध में सपा विधायक रूमी ने कहा कि यह सीएम ग्रिड योजना के तहत बनने वाली सड़क के शिलान्यास का सरकारी कार्यक्रम था। यह सड़क सतीश महाना और उनके क्षेत्र डिफेंस कॉलोनी और केडीए कॉलोनी के बीच बन रही है। सड़क को स्वीकृत कराने में उनका भी योगदान है। वह एक सरकारी कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि होने के कारण गए थे। भाषण से पहले उन्हें पता नहीं था कि सामने पार्टी का झंडा लगा हुआ है। जैसे ही किसी ने यह बताया विरोध दर्ज कराते हुए मंच छोड़ दिया।

छह जगह शुरू हुई टिकटों की ऑफलाइन बिक्री, 100 से लेकर 499 तक के हैं टिकटे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम में होने वाले इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के मैचों के लिए शुक्रवार से छह अलग-अलग स्थानों पर ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। टिकटों की कीमत 100 रुपये से 499 रुपये तक है, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों में काफी उत्साह है।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाले तीनों वनडे मैच के लिए मंगलवार रात साढ़े नौ बजे से बुक माय शो पर टिकट की ऑनलाइन शुरू की गई थी। बुधवार तक करीब एक लाख रुपये के टिकट बिक गए थे। शहर में क्रिकेट प्रेमियों के उत्साह को देखते हुए शुक्रवार से अलग-अलग स्थान पर ऑफलाइन टिकट की बिक्री शुरू हो गई है। टूर्नामेंट डायरेक्टर डॉक्टर संजय कपूर ने

बताया कि उप्र क्रिकेट एसोसिएशन शुक्रवार से ग्रीनपार्क स्टेडियम सहित शहर के छह स्थानों पर सुबह 11 बजे से ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू हुई है।यहां 100 से लेकर 499 रुपये तक के टिकट मिल रहे हैं। पवेलियन बालकनी, वीआईपी पवेलियन की टिकट 499 रुपये की है। पवेलियन ग्राउंड की टिकट 250 रुपये, सी बालकनी की टिकट 200 रुपये तथा बी जनरल व सी स्टाल की टिकट 100 रुपये की हैं। ग्रीनपार्क के अलावा बाटू टेलीफोन प्वाइंट लाजपतनगर और गोविंदनगर, यूनीसेफ मोबाइल लालबंगला, स्माइल स्टोर बिरहाना रोड, हीरा टेली कम्युनिकेशन कल्याणपुर, ड्रीम्स टेलीशॉप यशोदानगर से टिकट ब्रिकी हो रही है।

कानपुर हैलट अस्पताल-कोविड बिल्डिंग में शिफ्ट की गई पैथोलॉजी, मोबाइल पर मिलेगी रिपोर्ट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल की पैथोलॉजी को कोविड बिल्डिंग (मेटरनिंटी विंग) में शिफ्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही यूजर चार्ज काउंटर नंबर 34 को ओपीडी पर्चा काउंटर की बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया। वहीं, मरीज व उनके तीमारदारों को जांच रिपोर्ट लेने के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े, इसलिए अब रिपोर्ट उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर उपलब्ध होगी, जिसके संबंध में भी प्रबंध विभाग स्तर से शुरू किए जा रहे हैं।

एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की जांचें हो सके, इसलिए हैलट अस्पताल की इमरजेंसी के सामने बने रैन बसेरे, पैथोलॉजी, यूजर चार्जर कक्ष और आर्थो विभाग की ओपीडी को ध्वस्त किया जाएगा। यहां पर तीन मंजिला बिल्डिंग का निर्माण होना है। इसलिए पैथोलॉजी को अपनी जगह से कोविड बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया गया है। कोविड बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में पैथोलॉजी का पूरा सेटअप लगाया गया है, ताकि हैलट अस्पताल में जांच के लिए मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े। यूजर चार्ज काउंटर को पर्चा काउंटर की बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया। पहले दिन शिफ्टिंग कार्य की वजह से मरीजों व तीमारदारों को इधर से उधर भटकना पड़ा।

ऐसे में हैलट परिसर में सक्रिय कुछ मेडिकल स्टोर व निजी पैथोलॉजी के एंजेंट कुछ मरीजों को बरगलाकर अपने साथ निजी पैथोलॉजी में जांच कराने ले गए, जहां पर उनको मोटी रकम चुकानी पड़ी और एजेंटों का लाभ हुआ।

पैथोलॉजी की शिफ्टिंग का कार्य और मरीजों को हो रही असुविधा की जानकारी पर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला और हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह मौके पर पहुंचे। यहां पर मौजूद स्टाफ व प्रभारी से पूछताछ की।

मशीनों की क्रियाशीलता और जांच के लिए सैंपल आदि की जानकारी ली। प्राचार्य प्रो.संजय काला ने पैथोलॉजी के सभी कर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि मरीज व तीमारदारों को परेशानी हो। रिपोर्ट लेने के लिए लैब में आना पड़े, उनके मोबाइल नंबर पर ही रिपोर्ट भेजी जाए।प्राचार्य प्रो.संजय काला ने बताया कि यह प्रदेश का पहला डायग्नोस्टिक सेंटर होगा, जहां एक ही छत के नीचे सभी जांचों की सुविधा मिलेगी। यह लैब हैलट इमरजेंसी के सामने बननी है, निर्माण के लिए शासन से सात करोड़ 22 लाख रुपये स्वीकृत हो गए है। डायग्नोस्टिक हब का निर्माण 31 मार्च 2027 तक पूरा होना है। इस संबंध में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मध्य समझौता हुआ है।

छिनौती: महिलाओं से तबाड़तोड लूट,मंगलसूत्र तोड़कर भागे लुटेरे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र में गुरुवार रात हरबसपुर गांव के पास हाईवे पर सामने से आए बाइक सवार दो लुटेरों ने झपट्टा मारकर बाइक सवार महिला के गले से मंगलसूत्र लूटा लिया। पीड़ित की बाइक का संतुलन बिगड़ने से महिला व बच्चे गिरकर घायल हो गए। गीतानगर नगर निवासी रोशनी पति चंदन, दो बेटों वंश व अंश के साथ बाइक से अपने मायके बिधनू के कठारा गांव जा रही थीं।कानपुर-सागर हाईवे पर हरबसपुर गांव के पास बाइक सवार दो लुटेरे बाइक पर पीछे बैठीं रोशनी का मंगलसूत्र तोड़कर रमईपुर की ओर भाग निकले। महिला बच्चों समेत बाइक से हाईवे पर गिरकर घायल हो गईं। राहगीरों ने घायल महिला और बच्चों को सीएचसी पहुंचाने के साथ ही पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। बिधनू थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि पति चंदन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश की जा रही है।वहीं, मंगलवार की रात चकेरी थाना क्षेत्र में भी होने से बचा। पल्सर सवार लुटेरों ने चलती स्कूटी पर पति के साथ पीछे गोद में सात माह की बेटी को लेकर बैठी महिला के झपट्टा मारकर बाएं कान का झाला लूट लिया। भागते वक्त स्कूटी को गिराने का प्रयास किया लेकिन युवक के स्कूटी रोक देने से बड़ा हादसा बच गया। पुलिस ने गुरुवार को तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू की।

जरीब चौकी फ्लाईओवर से जुड़ेगी एलिवेटेड ट्रैक व रोड अभी तय नहीं

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जरीब चौकी पर फ्लाईओवर और जीटी रोड किनारे एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का निर्माण इस वर्ष शुरू नहीं हो सकेगा। क्योंकि संबंधित अधिकारी व अभियंता इन परियोजना की अभी तक डीपीआर ही नहीं पूरी तरह से फाइनल कर सके है, जिसकी वजह से इस दीपावली तक निर्माण का दावा फेल होता दिख रहा है। वहीं, अधिकारी अभी यह भी तय नहीं कर सके हैं कि एलिवेटेड पुल जरीबचौकी फ्लाईओवर से जुड़ेगा या नहीं। इसपर अभी आसमंजस की स्थिति बनी हुई।

जरीब चौकी क्रासिंग पर लगने वाले जाम से वाहन सवार लोगों को निजात दिलाने के लिए यहां पर फ्लाईओवर प्रस्तावित है, जिसको

शासन से वित्ती स्वीकृति मिल चुकी है। करीब 320 करोड़ से यहां पर चार लेन का पुल बनना है। वहीं, जीटी रोड के किनारे अनवरगंज से मंधना तक एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का निर्माण होना है। इस ट्रैक को जरीबचौकी फ्लाईओवर से जोड़ने की योजना तैयार की गई थी, लेकिन वर्तमान में इसपर पूरी तरह से मोहर नहीं लग पा रही है।

इधर, रामादेवी से गोलचौराहा तक एलिवेटेड रोड का भी निर्माण होना है, ऐसे में अधिकारी जरीबचौकी फ्लाईओवर को एलिवेटेड ट्रैक व रोड से जोड़ने के संबंध में आसमंजस में है। वहीं, अभी इन परियोजना की डीपीआर तैयार नहीं होने से चीजें भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

एनएच लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अरुण कुमार जयंत ने बताया कि जीटी रोड किनारे एलिवेटेड रोड का प्रस्ताव वार्षिक योजना में शामिल है, जिसके निर्माण की लागत 1500 करोड़ रुपये है। अभी वित्तीय स्वीकृति नहीं मिली है। इसकी डीपीआर भी लगभग फाइनल हो गई है, लेकिन अभी कुछ अड़चनें हैं।

इन्हें दूर करते ही डीपीआर स्वीकृत के लिए मुख्यालय भेजा जाएगा। वित्तीय स्वीकृति मिलते ही आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही जरीबचौकी फ्लाईओवर से एलिवेटेड रोड जोड़ने के संबंध में अभी वार्ता की जानी है। ताकि भविष्य में दिक्कत न हो सके।

सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक विजय कुमार सेन के मुताबिक जरीबचौकी रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण के लिए सेतु निगम ने ठेकेदार कंपनी चयनित कर रिपोर्ट मुख्यालय भेज दी है, जरूरी प्रक्रिया के संबंध में फाइल मुख्यालय भेज दी गई है। मुख्यालय से अनुमति मिलते ही कार्यादेश जारी कर दिया जाएगा। पुल निर्माण स्थल से सीवर लाइनें और पाइपलाइनें शिफ्ट करने के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। दीपावली के बाद निर्माण शुरू कराने की तैयारियां की जा रही हैं। इस पुल के बनने से एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

मुख्यालय में इस संबंध में कई बार अधिकारियों के बीच बैठकें हो चुकी हैं, जिनमे दिए गए सुझावों के आधार पर कई संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों में एलिवेटेड रोड को जरीबचौकी फ्लाईओवर से जोड़ने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही एलिवेटेड रोड में श्यामनगर मोड़, टाटमिल चौराहा और अफीमकोठी में भी रैंप बनाने की योजना शामिल है। हालांकि, अभी एलिवेटेड रोड निर्माण में भी कुछ अड़चनें हैं। मंत्रालय ने इन अड़चनों को दूर कर डीपीआर स्वीकृत करने के संकेत दिए हैं।

साइक्लोथान कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को अधिकार और सुरक्षा की दी गई जानकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मिशन शक्ति अभियान 5.0 एवं सेवा पखवाड़ा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार के अंतर्गत कौशल्या देवी इंटर कॉलेज, कानपुर में साइक्लोथान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उपनिदेशक, कानपुर मंडल और जिला प्रोबेशन अधिकारी, कानपुर नगर के निर्देशानुसार प्रधानाचार्या स्मिता तिवारी के सहयोग से संपन्न हुआ।कार्यक्रम में छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना (सामान्य और निराश्रित महिला योजना) सहित हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1098 (चाइल्डलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस हेल्पलाइन), 1096 (मुख्यमंत्री पोर्टल), 1090 (वूमेन पावर लाइन), 1930 (साइबर सुरक्षा) के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम और पोक्सो एक्ट जैसे कानूनों की जानकारी दी गई। महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन समन्वयक मोनिका यादव उपाध्याय, जेंडर स्पेशलिस्ट शैल शुक्ला, रागनी श्रीवास्तव तथा लगभग 143 छात्राएं और 22 अध्यापिकाएं प्रधानाचार्य सहित उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें सशक्त बनाना था।

प्राथमिक विद्यालय भौती में सेवा पखवाड़ा अभियान एवं मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत किया गया कार्यक्रम

कानपुर। प्राथमिक विद्यालय भौति आंगनवाड़ी 1 ग्रामपंचायत प्रतापपुर मे सुपरवाइजर गीता के सहयोग से सेवा पखवाड़ा अभियान एवं मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत मिशन शक्ति की थीम नारी सुरक्षा, नारी सम्मान व नारी स्वावलंबन के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।आंगनवाड़ियों व आशाओं को महिला कल्याण विभाग के मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बारे मे विस्तार से पात्रता बताते हुए आवेदन करने हेतु कहा गया। साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 10 98 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के बारे में बताते हुए यह जानकारी दी गई की बालिकाएं इन नंबरों पर अपनी सुरक्षा हेतु शिकायत कर सकती हैं, उनकी जानकारी गुप्त रखी जाती है।चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को विस्तार से बताया गया साथ ही साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में बताकर जागरूक किया गया की बालिकाएं को किसी प्रकार की धोखेबाजी और छेड़छाड़ से संबंधित कॉल आए तो इस नंबर पर शिकायत दर्ज कर जानकारी दे सकती हैं।

कानपुर में सौहार्द की मिसाल, आई लव मोहम्मद पर विवाद के बाद एकजुट हुए सभी धर्म

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय सर्व धर्म महासभा के पदाधिकारी का एक प्रतिनिधिमंडल जॉइंट पुलिस कमिश्नर कानपुर आशुतोष कुमार से मिला रावतपुर के सैयद नगर प्रकरण की निष्पक्ष जांच को लेकर मांग की महामंत्री महबूब आलम खान ने बताया कि कानपुर के सैय्यद नगर में खुशी का माहौल था। हर तरफ रोशनी की सजावट थी और आई लव मोहम्मद लिखा बैनर लगा हुआ था, जो आस्था और प्रेम का एक सीधा-साधा इज़हार था। ठीक वैसे ही जैसे कोई आई लव इंडिया या आई लव कृष्णा कहता है। इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह सिर्फ एक इंसान की अपने धर्म और पैगंबर के प्रति गहरी श्रद्धा को दर्शाता है।

वहीं संस्था के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर निसार अहमद सिद्दीकी ने बताया अखिल भारतीय सर्व धर्म महासभा के पदाधिकारी ने पुलिस आयुक्त कानपुर नगर अखिल कुमार को संबोधित पत्र जॉइंट पुलिस कमिश्नर लॉयन ऑर्डर आशुतोष कुमार को सौंपा जिसमें कानपुर पुलिस कमिश्नर से यह मांग की गई कि पूरे प्रकरण की उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि कोई भी निर्दोष न फंसे जिस पर जॉइंट पुलिस कमिश्नर ने आश्वासन दिया है। इस प्रतिनिधिमंडल में मुस्लिम समुदाय के समाजसेवी एवं संगठन के महामंत्री महबूब आलम खान, राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर निसार अहमद सिद्दीकी, उपाध्यक्ष इस्लाम खान आजाद के साथ-साथ हिंदू धर्म से पंडित राजेश मिश्रा, सिख समुदाय से सरदार राजेंद्र सिंह और ईसाई धर्म से एडवोकेट कुलदीप बाबा मसीह शामिल थे। पदाधिकारी ने कहा की देश का माहौल बिगाड़ने वाले ये लोग आखिर कौन हैं? और ऐसे लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि हमारा समाज सौहार्द और सद्भावना के रास्ते पर आगे बढ़ता रहे।इस मौके पर मुख्य रूप से महामंत्री महबूब आलम खान, उपाध्यक्ष पंडित राजेश मिश्रा, राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर निसार अहमद सिद्दीकी, उपाध्यक्ष इस्लाम खान आजाद कारी आरिफ रजा कादरी, आसिफ हुसैन, हाजी सलाउद्दीन, काफिल खान आदि मौजूद।

हनुमंत विहार में पंडालों में जाकर एंटीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर की दी गई जानकारी

कानपुर। थाना हनुमंत विहार कमिश्नरेट कानपुर नगर में मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत एंटीरोमियो टीम द्वारा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत चौकी क्षेत्र अर्रा थाना हनुमंत विहार में पंडालों में जाकर नारी

सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के विषय में महिलाओं/बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076, 1098, 112, 181, 1930 आदि की विस्तृत जानकारी दी गई तथा वाहटसऐप से प्राप्त होने वाली जन सुविधाओं एवं सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म एवं महिला सशक्तिकरण

अभियान व राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई एवं महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उनके समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया।

परिचालक, चालक व अधिकारियों को दिया गया सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण

कानपुर। राज्य सड़क परिवहन निगम व अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था की पहल पर कानपुर नगर के समस्त डिपो के परिचालक, चालक व राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण माडल ड्राईविंग ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट एलेन फारेस्ट में दिया गया। सांकेतिक भाषा कि जानकारी न होने पर परिचालक, चालक व परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी बधिर व्यक्तियों कि समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहे थे। जिससे निगम कि बसों में बधिर व्यक्तियों को यात्रा में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से विश्व बधिर दिवस पर परिवहन निगम के चालक व परिचालकों को पूरे उत्तर प्रदेश में सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण देने का अनुरोध किया था। इसी कड़ी में आज कानपुर नगर में सांकेतिक भाषा स्पर्ट के माध्यमम से प्रशिक्षण दिया गया।ए.यू.पी.ए.डी. के सदस्य राहुल सचान, बधिर खेल संघ के सचिव सौरभ श्रीवास्तव, स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ कानपुर के सचिव आशीष बाजपेई व वीरेन्द्र शुक्ला, दीपाली सर्राफ दुभाषिया बलराम सिंह यादव ने प्रशिक्षण दिया।प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि आर.एम. महेश कुमार व अध्यक्षता राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने किया वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि बधिर व्यक्तियों कि बात आम व्यक्ति नहीं समझ पाते हैं। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकारी संस्थानों के साथ साथ विद्यालयों व निजी क्षेत्र के संस्थानों में भी सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण कि आवश्यकता है।मुख्य अतिथि महेश कुमार ने इस अवसर पर कहा कि परिवहन विभाग दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील है। कार्यक्रम में ए.आर.एम.कानपुर देहात मुहम्मद असफाक, ट्रेनिंग इंचार्ज योगेश जी ने सहभागिता किया।

शहर पहुंचीं भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए टीम, रामधुन के बीच हुआ स्वागत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लखनऊ से कानपुर के होटल लैंडमार्क में पूरी ऑस्ट्रेलिया-ए टीम और चार भारतीय खिलाड़ी पहुंचे। आठ अन्य दिल्ली व बंगलूरू से पहुंचे। तिलक लगाने के बाद रुद्राक्ष की माला पहनाई।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए शनिवार को भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए टीम के खिलाड़ी शहर पहुंचे। लखनऊ में हुई चार दिवसीय सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया-ए टीम के 14 खिलाड़ी और अन्य सहायक स्टाफ कर्मी

बस से आए। वहीं भारत ए टीम के चार खिलाड़ी और सहायक स्टाफ लखनऊ से बस से और आठ खिलाड़ी दिल्ली और बंगलूरू से आने वाली फ्लाइट से चकेरी एयरपोर्ट पर पहुंचे।

यहां से सभी को बस के जरिये होटल लैंडमार्क लाया गया। होटल पहुंचने पर दोनों टीमों के खिलाड़ियों का स्वागत रामधुन के बीच तिलक लगाकर, रुद्राक्ष की माला पहनाकर व फूल देकर किया गया। लखनऊ से आई भारतीय टीम में गुरजापनीत सिंह, आयुष बडोनी, विप्रराज निगम, सूर्यांश के साथ सहायक स्टाफ शामिल रहा। वहीं बंगलूरू की फ्लाइट से सबसे पहले सुबह साढ़े दस बजे रियान पराग शहर पहुंचे।

टूर्नामेंट डायरेक्टर डॉ. संजय कपूर ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया टीम एक साथ आई जबकि भारतीय खिलाड़ी दो हिस्सों में आए। रविवार को टीम के कैप्टन श्रेयस अय्यर मुंबई से आएंगे। होटल में अहमद अली खान तालिब, अश्वनी कोहली, अमित समेत अन्य सदस्यों ने दोनों टीमों का स्वागत किया।

भारतीय-ए टीम की एक झलक पाने के लिए समर्थक होटल के बाहर खड़े रहे। जैसे ही ऑस्ट्रेलिया और भारतीय टीम की बसें पहुंची तो समर्थकों ने तिरंगा लहराकर भारतीय टीम का स्वागत किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने भी हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया।

25 में एक भी एफएसओ नहीं दिखा पाए रिपोर्ट, डीएम ने कार्रवाई का मांगा प्रस्ताव

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। खाद्य सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। बैठक में 20 से अधिक खाद्य सुरक्षा अधिकारी (एफएसओ) से पिछले एक साल की रिपोर्ट मांगी तो कोई दिखा नहीं पाया। इसपर डीएम भड़क गए। उन्होंने कहा 25 एफएसओ तैनात हैं, लेकिन काम बिल्कुल खराब है। उन्होंने निर्देश दिए कि सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले पांच एफएसओ की सूची बनाएं। उनके खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार कर एडीएम सिटी को भेजें। लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा जिले में लगातार विभाग की लापरवाही की शिकायतें मिल रही हैं। समोसे एक ही तेल में बार-बार तले जा रहे हैं, चाइनीज फूड में अजीनोमोटो का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है, मोमोज की चटनी और बिरयानी में रंग की मिलावट हो रही है, फलों को पकाने में खतरनाक केमिकल डाले जा रहे हैं।

इसके बाद भी आप लोगों को कुछ दिख नहीं रहा। डीएम ने साफ शब्दों में कहा कि मिलावटखोर और घटिया सामान बेचने वालों की खैर नहीं। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि कार्रवाई दिखावे की नहीं, बल्कि ठोस होनी चाहिए। डीएम ने अधिकारियों को चेताया कि कार्रवाई के नाम पर गरीब दुकानदारों को परेशान न करें। उन्होंने कहा, छोटे पर हाथ डालने से विभाग की छवि खराब होती है। असली मिलावटखोरों को पकड़ो, तभी जनता को राहत मिलेगी।सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा संजय प्रताप ने बताया कि अप्रैल से अगस्त तक 1075 नमूने लिए गए, जिनमें से 230 नमूने मानक पर खरे नहीं उतरे।

न्यायालय ने मिलावटखोर कारोबारियों पर 1.02 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया, लेकिन अब तक सिर्फ 13.52 लाख की ही वसूली हो सकी। इसी तरह 152 मामलों में 72.90 लाख रुपये की आरसी जारी हुई, लेकिन वसूली मात्र 2.25 लाख रुपये हुई।

इस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई और निर्देश दिया कि हर हाल में वसूली पूरी हो और दोषियों का कारोबार बंद कराया जाए।

बालरोग अस्पताल में हंगामा, परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया, दो गार्ड हटाए गए

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। हैलट के बालरोग अस्पताल में शुक्रवार देर रात रोगी के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने हंगामा किया। जांचों के लिए रोगी का ब्लड सैंपल लिए जाने पर हंगामे की शुरुआत हुई। डॉक्टरों ने पुलिस को बुला लिया। बाद में परिजन रोगी को लेकर चले गए। घटना के दौरान दो सुरक्षा गार्डों के मूक दर्शक बने रहने पर उन्हें हैलट की नौकरी से हटा कर भूतपूर्व सैनिक कल्याण निगम भेज दिया गया है।जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि कानपुर देहात के हरचंदापुर, गजनेर के रहने वाले इरशाद अपनी पुत्री आर्या (4) को लेकर शुक्रवार रात 12:30 बजे अस्पताल आए। बच्ची में डेंगू के लक्षण थे। सीनियर बालरोग विशेषज्ञ डॉ. यशवंत राव ने रोगी का परीक्षण किया। इसके बाद जांचों के लिए ब्लड सैंपल लिया जाने लगा। खून निकालने का तीमारदार महिला ने विरोध किया। इसी से हंगामे की शुरुआत हो गई।उन्होंने बताया कि रोगी के पिता नहीं तीमारदार के साथ आए लोगों ने हंगामा किया। लोग वीडियो बनाने के साथ गाली-गलौज, हंगामा करने लगे। स्वरूपनगर पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस आने पर परिजन बच्ची को ले गए। बालरोग विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र कुमार गौतम ने बताया कि पुलिस को भी पत्र दे दिया गया। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरके सिंह ने कहा कि काम लापरवाही करने वाले सुरक्षा गार्डों को निगम वापस भेज दिया जाएगा।

बरेली के बाद कानपुर में बवाल की साजिश, 26 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

» हर स्थिति से निपटने को कमिश्नरी पुलिस तैयार

» रावतपुर से शुरू हुआ बवाल दूसरे शहरों में भी पहुंचा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बरेली के बाद शहर में भी शुक्रवार को बवाल करने की साजिश की गई। बरेली में भड़काऊ ऑडियो वायरल होने के बाद भीड़ इकट्ठा होने के बाद माहौल बिगड़ गया था। इसी तरह शहर में रेलबाजार थानाक्षेत्र में भी एक भड़काऊ ऑडियो जुमे की नमाज के बाद वायरल कर सौहार्द बिगाड़ने की साजिश की गई।

हालांकि पुलिस और इंटेलीजेंस की सक्रियता के चलते समय रहते पुलिस प्रशासन ने स्थिति को संभाल लिया। चौकी इंचार्ज सुजातगंज की तहरीर पर एक नामजद समेत 25 अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चौकी प्रभारी सुजातगंज राज मोहन मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को वह पुलिस बल के साथ अजमेरी मस्जिद पर ड्यूटी कर रहे थे।

नमाज समाप्त होने के बाद जब लोग घर लौट रहे थे तभी मदर होटल तिराहा निवासी जुबेर अहमद खान उर्फ जुबेर गाजी ने एक ऑडियो वायरल कर दिया। ऑडियो में विशेष समुदाय के लोगों को शासन-प्रशासन के विरुद्ध उकसाकर दंगा कराने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की साजिश का जिक्र था। इस वायरल ऑडियो के बाद करीब 20 से 25 युवक इकट्ठा हो गए। स्थिति गंभीर होती देख पुलिस अधिकारियों ने तुरंत लोगों को समझाया और उन्हें शांतिपूर्वक घर भेज दिया। चौकी प्रभारी ने कहा कि यदि समय रहते हस्तक्षेप न किया जाता तो इलाके का माहौल बिगड़ सकता था। रेलबाजार थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि चौकी प्रभारी की तहरीर पर जुबेर गाजी और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब वायरल ऑडियो की जांच कर रही है।

आई लव मोहम्मद के समर्थन को लेकर शहरों में जारी प्रदर्शन कानपुर के रावतपुर से शुरू हुआ था। चार नवंबर को बारावफात के जुलूस के दौरान एक सार्वजनिक सड़क पर आई लव मोहम्मद लिखे बोर्ड लगाने के आरोप में नौ नामजद और 15 अज्ञात लोगों पर गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसके बाद से बरेली, उन्नाव और कई शहरों में प्रदर्शन चल रहे हैं। शुक्लागंज में आई लव मोहम्मद के समर्थन में निकाले गए जुलूस और बवाल के बाद बालू घाट चौकी प्रभारी गजेंद्र सिंह की तहरीर पर आठ नामजद और 30 अज्ञात पर गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

आई लव मोहम्मद को लेकर मचे बवाल के बाद कमिश्नरी पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी व थानेदार हर स्थिति से निपटने को पूरी तरह से तैयार हैं। पुलिस के उच्चाधिकारी भी हर छोटी-बड़ी घटना पर नजर बनाए हैं। इंटेलीजेंस में हर तरह के इनपुट अफसरों तक पहुंचा रहे हैं। शहर के मुस्लिम संवेदनशील और अतिसंवेदशील क्षेत्रों में कड़ी चौकसी बरती जा रही है।

मिशन शक्ति की नई राह: कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं को मिड-डे-मील

» कक्षा 9 से 12 में प्रतिदिन नि:शुल्क मिड डे मील उपलब्ध कराने वाला प्रदेश का पहला विद्यालय

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बरगद की छांव से छनकर आती धूप, अनुशासन में सजी कतारें और थालियों में परोसा गरमागरम भोजन। मंगलवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) चुन्नीगंज में यह नज़ारा किसी त्यौहार से कम नहीं था। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्वयं छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और एक नई पहल की शुरुआत की। मिशन शक्ति के अंतर्गत पहली बार कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं को नि:शुल्क मिड-डे-मील उपलब्ध कराने का शुभारंभ हुआ।

अब विद्यालय की कक्षा 9 से 12 तक की 456 छात्राओं को प्रतिदिन पौष्टिक भोजन मिलेगा। इससे पहले राज्य सरकार की योजना केवल कक्षा 6 से 8 तक सीमित थी। जिलाधिकारी की पहल पर इस्कॉन कानपुर और अचिन्त्य फाउंडेशन ने आगे बढ़कर जिम्मेदारी ली है कि उच्च कक्षाओं की छात्राओं को भी रोजाना भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।विद्यालय की प्रिंसिपल मंगलम गुप्ता ने बताया कि संस्थान में कुल 705 छात्राएं अध्ययनरत हैं। इनमें कक्षा 6 से 8 तक की 249 छात्राओं को अक्षयपात्र फाउंडेशन के माध्यम से पहले से ही भोजन मिल रहा है, जिसकी वजह से उनकी उपस्थिति 80 प्रतिशत से अधिक है। जबकि कक्षा 9 से 12 की 456 छात्राओं की उपस्थिति लगभग 50 प्रतिशत तक सिमटी रही। भोजन मिलने से बड़ी कक्षाओं में भी उपस्थिति बेहतर होने की उम्मीद है।

इस्कान के प्रभु अमृतेश कृष्ण दास ने कहा कि स्थानीय गतिविधियों के अंतर्गत हम जिला प्रशासन का पूरा सहयोग करने के लिए तत्पर हैं ताकि हमारा समाज भूख से मुक्त हो सके। हमारी पूरी योजना तैयार है और हम प्रतिदिन पाँच हज़ार लोगों को भोजन उपलब्ध कराने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी अन्य जानकारी की आवश्यकता होगी तो हम उसे भी साझा करने में प्रसन्नता महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि इस्कॉन द्वारा विद्यालय को प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन की आपूर्ति की जाएगी।

समाजसेवी एवं अचिन्त्य फाउंडेशन के निदेशक अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि इस योजना पर लगभग 20 लाख रुपये प्रतिवर्ष का व्यय आएगा, जिसे इस्कॉन, अचिन्त्य फाउंडेशन और अन्य समाजसेवियों के सहयोग से पूरा किया जाएगा।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह पहल माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मिशन शक्ति से जुड़े विजन के अनुरूप शिक्षा और पोषण को जोड़ने का प्रयास है। डीएम ने बताया कि इससे छात्राओं की सेहत और पढ़ाई दोनों में सकारात्मक असर होगा और समाज की भागीदारी से शिक्षा को और सशक्त बनाया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने इसके साथ ही जनसहयोग से कक्षा 9 से 12 की 456 छात्राओं को स्कूली ड्रेस एवं जूते भी

उपलब्ध कराए हैं, जिससे उन्हें पढ़ाई में और सुविधा मिलेगी।

प्रदेश में मिड-डे-मील योजना वर्षों से कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए संचालित हो रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस योजना से स्कूल छोड़ने की दर में कमी आई और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में वृद्धि हुई। जीजीआईसी चुन्नीगंज का यह प्रयोग अब उच्च कक्षाओं तक मिड-डे-मील की संभावनाओं को खोलता है। यदि यह मॉडल सफल होता है, तो इसे जनपद के अन्य विद्यालयों में भी लागू किया जाएगा। इस अवसर पर डीआईओएस संतोष कुमार राय, समाजसेवी दिशा अरोड़ा सहित विभिन्न अधिकारी एवं विद्यालय की छात्राएं मौजूद थी।

हर दिन थाली में अलग स्वाद

इस्कॉन द्वारा जीजीआईसी चुन्नीगंज की छात्राओं के लिए मिड-डे-मील का मेन्यू इस तरह तैयार किया गया है कि थाली में पौष्टिकता के साथ स्वाद का संतुलन भी बना रहे। सप्ताह के हर दिन कुछ नया मिलेगा—

सोमवार – कढ़ी पकोड़ा, आलू-परवल, चावल, रोटी

मंगलवार – चावल, मूंग दाल, रोटी, सोया आलू

बुधवार – चावल, अरहर दाल, रोटी, चना आलू

गुरुवार – चावल, मूंग दाल छिलका, रोटी, आलू सीताफल

शुक्रवार – चावल, रोटी, छोला, हलवा

शनिवार – चावल, राजमा, मिक्स सब्ज़ी, रोटी

यह विविधता न केवल बच्चों के स्वाद को लुभाएगी, बल्कि उनके पोषण स्तर को भी बेहतर बनाएगी।

अपना कार्य स्वयं करने में संकोच नहीं करना चाहिए

जिलाधिकारी बच्चों संग भोजन करते-करते अपने स्कूली दिनों की यादों में खो गए। उन्होंने छात्राओं के साथ अपने संस्मरण साझा किए और भोजन करने के बाद अपने बर्तन भी स्वयं साफ किये। छात्राओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि अपने कार्य स्वयं करने चाहिए। इसमें किसी भी तरह का संकोच नहीं होना चाहिए।

कानपुर उद्योग व्यापार मण्डल द्वारा प्रेस वार्ता का किया गया आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा की मुख्य उपस्थिति एवं जिलाध्यक्ष सुनील बजाज की अध्यक्षता मे प्रेस वार्ता किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुये प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा ने कहा कि हम सभी को अवगत ही है कि आगामी समय त्यौहार व शादी - बारात का है। करोडो का व्यापार होता है। व्यापारी समाज भी जोर शोर से तैयारियां कर रहा है। और ग्राहको को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे है। हमारी राष्ट्रीय संस्था भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता (राजस्थान) के द्वारा कराये गये सर्वे के मुताबिक त्योहारो के सीजन मे व्यापारियो को 5.5 लाख करोड का व्यापार होने की उम्मीद है।

जिसमे हाल ही मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जीएसटी की दरो मे कमी के कारण ग्राहको मे उत्साह है। छोटे व्यापारियो और सामान्य जनमानस को इससे प्रत्यक्ष राहत प्राप्त होने की उम्मीद है। और व्यापार मण्डल इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करता है। जनपद के निवासी मा0 जनप्रतिनिधियो से संपर्क करके भी संगठन के इस अभियान से अवगत कराते हुये स्थानीय व्यापारियो व स्वदेशी वस्तुओ के अधिकाधिक प्रयोग करने व विदेशी आनलाइन कंपनियो के बहिष्कार हेतु उनका समर्थन संबंधी वीडियो लेकर सोशल मीडिया मे जागरूकता हेतु अधिक से अधिक शेयर करवाया जायेगा।

प्रदेश युवा महामंत्री संत मिश्र ने कहा कि पूरे प्रदेश सहित कानपुर जनपद मे इसके लिए जागरूकता अभियान मे युवा इकाई बढ-चढकर प्रतिभाग करेगी। त्यौहारो मे व्यापारियो का उत्पीडन नही होने दिया जायेगा। आनलाइन कंपनियो के कार्यालयो/गोदामो का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।प्रेस वार्ता मे सुनील बजाज, रामेश्वर गुप्ता, विजय पंडित, कृपाशंकर त्रिवेदी, संत मिश्रा, प्रदीप गुप्ता, राजेंद्र शुक्ला, रामकिशोर मिश्रा, राकेश सिंह आदि व्यापारी नेता मौजूद रहे।

सोशल मीडिया से लेकर संवेदनशील इलाकों पर खुफिया नजर

कानपुर। बरेली हिंसा के बाद शहर की खुफिया सतर्क है। पुलिस सोशल मीडिया से लेकर शहर के संवेदनशील इलाकों में नजर रख रही है। पुलिस और खुफिया की सतर्कता की ही वजह से रेलबाजार के सुजातगंज इलाके में जुमे की नमाज के बाद लोगों की भीड़ को भड़काने की एक युवक की कोशिश कामयाब नहीं हो पाई थी। संवेदनशील इलाकों पर नजर रखने के लिए सादी वर्दी में पुलिस वालों को लगाया गया है।आई लव मोहम्मद को लेकर मचे बवाल के बीच प्रदेश भर में पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जारी हुए हैं। ऐसे में पुलिस की टीमें और एलआईयू व अन्य खुफिया एजेंसियां संदिग्धों के अलावा सोशल मीडिया पर भी 24 घंटे निगरानी कर रही हैं। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने अधिकारियों और थाना प्रभारियों को विशेष चौकसी बरतने के निर्देश दिए हैं। जेसीपी आशुतोष कुमार ने बताया कि कानपुर में सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक पुलिस की टीमें निगरानी कर रही हैं। यदि किसी ने सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक कसी भी तरह माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जेल भेजा जाएगा।

छात्राओं एवं महिलाओं को विभिन्न योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों की दी गई जानकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मिशन शक्ति अभियान 5.0 एवं सेवा पखवाड़ा – स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के अंतर्गत जनपद कानपुर नगर में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में महिला कल्याण विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पंचायती राज विभाग आदि ने सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं एवं महिलाओं को विभिन्न योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, जिनमें प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना (सामान्य), निराश्रित महिला योजना, 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 1930 (चाइल्डलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन) एवं 112 (पुलिस हेल्पलाइन) सम्मिलित हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्राओं एवं महिलाओं में अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। इसी क्रम में स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत अभियान के तहत महिला कल्याण विभाग के समस्त कर्मचारियों द्वारा एक दिन, एक घंटा स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। इस अभियान में जिला बाल संरक्षण इकाई, डी.एच.ई.डब्ल्यू., चाइल्ड हेल्पलाइन, राजकीय बाल गृह (बालक) कल्याणपुर, राजकीय बाल गृह (बालिका) यूनिट-1 एवं यूनिट-2, तथा वन स्टॉप सेंटर यूनिट-1 एवं यूनिट-2 के कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर स्वच्छता का कार्य किया और यह दृढ़ संकल्प लिया कि जनपद को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में सभी अपना निरंतर योगदान देंगे।

सौहार्द सद्भावना के लिए हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी धर्म के लोगों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मिलादुन्नबी के मौके पर आई लव मोहम्मद वाले प्रकरण की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराकर प्रशासन को गुमराह करने वालों पर कार्रवाई की मांग प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व कर रहे सर्व धर्म के महामंत्री महबूब आलम खान ने कहा कि जब सम्पूर्ण विश्व पैगम्बर ए इस्लाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मना रहा था उसी श्रखंला मे कानपुर के थाना रावतपुर स्थित सैय्यद नगर मे परम्परागत रोशनी की सजावट की गयी थी। मुस्लिम समुदाय खुशी के अवसर पर खानपान, शीतल पेय जल आदि वितरण कर रहा था सजावट मे मुस्लिम समुदाय द्वारा अपने आका पैगंबरे इस्लाम हजरत मुहम्मद (सल्ल0) की मोहब्बत में संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) व 21 एवं 25 के तहत 卐 स्ह्ङ्क्ष स्ह्ल ।स्ल्ह्व’ लिख रखा था जो कि केवल धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण ढंग लगाया गया था। जिसको आपत्तिजनक होने की बात कह कर क्षेत्र के कुछ असामाजिक तत्व जिनकी मनसा शहर व देश में महोल खराब कर उत्पात मचाने की थी।

इस मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणपुर, प्रभारी निरीक्षक रावतपुर, चौकी प्रभारी सहित अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचा और इन असामाजिक तत्वों को काफी समझाने का प्रयास किया

लेकिन इन लोगो ने मुस्लिम समुदाय को पूरी तरह से उकसाने का काम करते हुए बैनर के नीचे ही धरना देने लगे और हमारे पैगंबर व समुदाय विशेष को भद्दी भ?द्दी गालियां देते रहे इसके बाद ए सी पी कल्याणपुर के समझाने के बाद वहाँ से उठकर सामने जफर वाली गली में 40 से 50 लोग घूम-घूम कर माहौल को खराब करने का प्रयास लगातार करते रहे। हम हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी सर्व धर्म के लोग यह कहना चाहते हैं कि कोई भी भारतीय चाहे आई लव इंडिया कहे या आई लव कृष्णा कहे या आई लव गुरु नानक देव कहे या आई लव ईसा मसीह कहे या आई लव मोहम्मद कहे ! इसमे आपत्तिजनक क्या है।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से महबूब आलम खान महामंत्री अखिल भारतीय सर्व धर्म महासभा उत्तरप्रदेश, पंडित राजेश मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सरदार राजेंद्र सिंह निटा राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट कुलदीप बाबा मसीह राष्ट्रीय सचिव इस्लाम खान आजाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ निसार अहमद सिद्दीकी राष्ट्रीय सचिव कारी आरिफ रजा कादरी,हाजी सलाउद्दीन अयाज अहमद,चिश्ती शारिक सिद्दीकी अनवर उल हक सानूकफील खान आसिफ हुसैन सरदार सहज प्रीत सिंह गोविंद एडवोकेट मोहम्मद इमरान चंगा पठान रवि राज मिलन गौतम संभवानी मौलाना जाकिर हुसैन खान आदि मौजूद रहे।

भाजपा के जीएसटी बचत उत्सव के जवाब में कांग्रेस ने बजाया झुनझुना/मुद्दों से भटकाने वाला बताया झुनझुना

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा के जीएसटी बचत उत्सव को जनता का ध्यान भटकाने के लिए झुनझुना बताते हुए कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुआई में कांग्रेस ने कैंट गोलाघाट के पास बाजार में झुनझुना बजाते हुए भाजपा के दिखावटी जीएसटी उत्सव के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया। सबने कहा ये जीएसटी बचाव उत्सव नहीं, भाजपा को बचाओ झुनझुना है। खूब देर तक कांग्रेसी सड़क पर पोस्टर लेकर झुनझुना बजा रहे थे, जिसको हजारों लोगों ने देखा। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 8 साल बाद, हजारों

संशोधनों के बाद जीएसटी का बदलाव और जीएसटी घटाने और अब उसका दिखावटी जीएसटी बचत उत्सव मनाना केवल कांग्रेस द्वारा वोट चोरी, अमरीका द्वारा भारत के हो रहे अपमान, महंगाई, बेरोजगारी और दलित,पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज से हो रहे अत्याचार से ध्यान भटकाने का दिखावटी झूठा कदम है।

अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि जैसे बच्चे को झुनझुना बजाकर बहला के चुप करवाया जाता है ऐसे ही भाजपा ने और मोदी जी ने मुख्य मुद्दों से आक्रोशित देश को गुमराह करने के लिए और असंतोष को शांत करने के लिए ये झुनझुना रूपी जीएसटी बचत उत्सव मनाने का दिखावा किया है, जिसको जनता समझ चुकी है। हरप्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि न महंगाई कम हुई और न ही जीएसटी के तहत मूलभूत मुद्दों पर कोई कार्यवाही हुई। आम जन के साथ व्यापारी आज भी परेशान हैं और आम जन आज भी महंगाई से रो रहे हैं। सब आवश्यक वस्तु और सेवाओं महंगी की महंगी हैं।

प्रतिभा अटल पाल ने कहा कि भाजपा सरकार में दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के साथ अन्याय जारी है। बेरोजगारी चरम पर है और युवा परेशान हैं। भाजपा कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों के लिए काम कर रही है। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, हर प्रकाश अग्निहोत्री, अलोक मिश्रा, प्रतिभा अटल पाल, इकबाल अहमद, मुकेश कन्नौजिया, विनय पांडे, जीतू दुबे, दुर्गा मिश्रा, संदीप निषाद, बैतूल खान मेवाती, जफर शाकिर मुन्ना, हाजी कौसर सोलंकी, मो अकील, सुमित पंत, वेद प्रकाश यादव, शंकर लाल कश्यप, राहुल यादव, रतन लाल निषाद, मुकेश कुमार आदि थे।

दबग स्कूटी सवार ने शिक्षिका पर फेंका तेजाब

प्रदेश के संभल में एक टीचर पर एसिड अटैक की सनसनीखेज घटना सामने आई है। स्कूल से घर लौट रहीं शिक्षिका पर एक युवक ने तेजाब फेंक दिया। शख्स स्कूटी पर सवार होकर आया था। जैसे ही लोगों ने शोर मचाना शुरू किया, वो मौके से फरार हो गया। घटना में टीचर बुरी तरह से झुलस गईं। महिला की दो महीने बाद शादी होनी है।मामला नखासा थाना इलाके के गांव देहपा का है। शिक्षिका हर रोज की तरह स्कूल गई थीं। वो स्कूल में पढ़ाने के बाद वापस लौट रही थीं। तभी स्कूटी सवार हेलमेट लगाए एक युवक वहां आया और शिक्षिका पर एसिड अटैक कर दिया। जानकारी के अनुसार हमलावर ने टीचर के चेहरे और पेट पर एसिड फेंका। हमले के चलते महिला टीचर सड़क पर ही गिर गई।घटना के बाद जैसे ही स्थानीय लोगों ने शोर मचाया तो स्कूटी सवार युवक मौके से भाग गया। आसपास मौजूद लोगों की मदद से महिला को घर पहुंचाया गया, जिसके बाद एसिड अटैक की घटना की जानकारी परिजनों को मिली।

खाद्य विभाग टीम ने आलू को गेरु व रसायन युक्त कलर से रंगते हुए पकड़ा

» मौके पर मौजूद 130 किलो रंगीन रखा हुआ आलू सीज किया गया

» आलू रंगने के लिए रखा गया 10 किलो रंगीन पाउडर जांच के लिए भेजा गया

» मिलावटखोरों पर पैनी नज़र रखें – जिलाधिकारी की –मुहिम का हिस्सा बनें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश के क्रम में आगामी नवरात्रि/दशहरा पर्व के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु जनपद में विशेष अभियान संचालित किया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य) संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रवर्तन कार्यवाही की गई। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों/निर्माण स्थलों से कुल 26 खाद्य नमूने संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किए गए।

जिलाधिकारी की आमजन से अपील

जनपदवासी अपने आस–पास यदि कहीं मिलावटी सामग्री का विक्रय, पैकेजिंग अथवा भंडारण होते पाते हैं, तो कृपया इसकी सूचना सहायक आयुक्त (खाद्य) संजय प्रताप सिंह के मोबाइल नम्बर 90442 61361 पर दें।

मिलावटखोरी पर पूर्ण अंकुश लगाने हेतु जिलाधिकारी की इस मुहिम का हिस्सा बनें।

आपकी दी गई सूचना की पूर्ण गोपनीयता रखते हुए विभाग द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

संकलित नमूनों का विवरण

राइस ब्रान ऑयल (बिल्हौर बाजार) – 3 नमूने

गाय का घी (श्याम नगर) – 1 नमूना

बेसन (तलाक महल/ट्रांसपोर्ट नगर) – 3 नमूने

काजू (तलाक महल) – 1 नमूना

सरसों का तेल (तलाक महल) – 1 नमूना

ब्लैक रेसीन, अरेबियन डेट्स, रॉ पीनट्स (बर्रा–5) – 3 नमूने

साबूदाना (साकेत नगर/ट्रांसपोर्ट नगर/सजेती) – 3 नमूने

मूंगफली दाना (ट्रांसपोर्ट नगर) – 1 नमूना

पनीर (हंसपुरम) – 1 नमूना

कूट्टू आटा व ग्रीन रेसीन (नौबस्ता) – 2 नमूने

भैंस का दूध (सूतरखाना) – 3 नमूने

आलू (बिल्हौर) – 2 नमूने

अपमिश्रक (तहसील बिल्हौर) – 2 नमूने

कुल 26 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

विशेष प्रवर्तन कार्यवाही

आयुक्त महोदया, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के आदेशानुसार तथा जिलाधिकारी महोदय के निर्देश से आलू एवं खाद्य तेल में मिलावट की रोकथाम हेतु विशेष निरीक्षण किया गया।

बीबीपुर, बिल्हौर में खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा रसायनयुक्त रंगीन आलू विक्रय हेतु तैयार किया जा रहा था। मौके से 130 बोरी (6500 किलो, अनुमानित लागत रु. 78,000/–) आलू सीज किए गए तथा 10 किलो रंगीन पाउडर का नमूना संग्रहित कर विश्लेषण हेतु भेजा गया।सिंघौली, तहसील बिल्हौर में संदेह के आधार पर 94 पैकेट (प्रति पैकेट 50 किलो) रंगीन आलू अनुमानित मूल्य रु. 23,500/– सीज किए गए।

बिल्हौर बाजार में 894 लीटर राइस ब्रान ऑयल (अनुमानित मूल्य रु. 1,04,508/–) सीज किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कार्रवाई, 36 नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर जनपद में उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से खाद्य विभाग की टीम द्वारा विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। आगामी नवरात्रि/दशहरा पर्व को दृष्टिगत रखते हुए विशेषकर व्रत में उपयोग होने वाले खाद्य पदार्थों—मिठाइयाँ, दुग्ध उत्पाद, घी, कुट्टू का आटा, सिंघाड़ा आटा, सूखे मेवे एवं फलाहार—की गुणवत्ता की सघन जांच की गई। साथ ही कृत्रिम रसायनों से पकाए गए फलों के भंडारण एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए भी निरीक्षण किए गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जनपद के अलग अलग प्रतिष्ठानों से कुल 36 खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए। इनमें मूंगफली दाना, साबुदाना, सिंघाड़ा आटा, कुट्टू आटा, घी, दूध, पनीर, आइसक्रीम, किसमिस, काजू, पेड़ा, बनाना चिप्स, बूंदी, चना दाल, हल्दी पाउडर, चिली सॉस आदि शामिल हैं। नमूने मूसानगर रोड, घाटमपुर, भाभा नगर, सनिगवों, विनायकपुर, हूलागंज, पाण्डुनगर, पी रोड, नौबस्ता गल्ला मंडी, श्याम नगर, चौबेपुर, कल्यानपुर समेत अनेक स्थानों पर स्थित प्रतिष्ठानों से लिए गए।

वहीं सहायक आयुक्त (खाद्य)– ।। संजय प्रताप सिंह ने बताया कि सभी नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत आवश्यक कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

वेलनेस सेंटर में दरी पर सजी चौपाल, महिलाओं से सीधे संवाद में बैठे डीएम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गुप्ताघाट स्थित आयुष्मान भारत नगरीय हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर का नजारा बृहस्पतिवार को बिल्कुल अलग था। दरी पर चौपालनुमा अंदाज में महिलाएँ बैठी थीं और उन्हीं के बीच जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह भी जमीन पर बैठकर उनसे सीधे संवाद कर रहे थे।स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान और मिशन शक्ति 5.0 के तहत आयोजित इस महिला आरोग्य समिति की बैठक में महिलाओं ने खुलकर अपनी बातें रखीं। किसी ने एनीमिया और माहवारी से जुड़ी परेशानी बताई, तो किसी ने बच्चों के पोषण और टीकाकरण से जुड़े सवाल उठाए। माहौल इतना सहज था कि महिलाएँ बिना झिझक अपनी समस्याएँ साझा करती रहीं।

बैठक के दौरान आठवें राष्ट्रीय पोषण माह की गतिविधियों और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभों पर भी चर्चा हुई। महिलाओं को बताया गया कि इस योजना के अंतर्गत गर्भवती एवं धात्री माताओं को मातृत्व लाभ राशि दी जाती है। लाभार्थी महिलाओं ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से गर्भावस्था के दौरान आर्थिक सहारा मिलता है, जिससे दवा और पोषण की चिंता कम हो जाती है।विशेषज्ञ डॉक्टरों और जेएसआई की टीम ने महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी श्रृंखला के बारे में जानकारी दी जिनमें ईएनटी जांच, मधुमेह और रक्तचाप की जांच, दंत परीक्षण, प्रसवपूर्व जांच, टीकाकरण सेवाएँ, टेलीमानस सुविधा, टीबी जांच, सिकल सेल की जांच तथा मुख, स्तन और ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग शामिल है। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित हुआ। इसमें 35 महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच की गई, 36 महिलाओं का मूत्र परीक्षण हुआ और 32 महिलाओं का पेट संबंधी परीक्षण (एब्डॉमिनल चेकअप) किया गया। 40 महिलाओं को आयरन की गोलियाँ दी गईं और 15 को एल्बेन्डाजोल की खुराक दी गई।

बैठक में आयी अर्चना तिवारी ने कहा कि इस बैठक में उन्हें कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली और वे अब अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग रहेंगी। वहीं एक अन्य महिला उमा ने कहा कि जिलाधिकारी खुद हमारे बीच दरी पर बैठकर एक अभिभावक की तरह हमें हमारे स्वास्थ्य के प्रति जिस तरह से जागरूक कर रहे थे, इससे हमें लगा कि हमारी बातें सचमुच सुनी जा रही हैं। इस दौरान एसीएमओ डॉ. यू. बी. सिंह, जेएसआई प्रतिनिधि हुदा ज़हरा सहित बड़ी संख्या में महिलायें उपस्थिति रही।

स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने व ऑनलाइन कंपनियों का विरोध करते हुए व्यापारियों व नागरिकों को दी जानकारी

कानपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के आवाहन पर कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी के नेतृत्व में नवीन मार्केट बाजार से स्थानीय उत्पादन स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने हेतु व ऑनलाइन कंपनियों का विरोध करते हुए व्यापारियों के बीच जाकर स्टीकर चिपकाकर व्यापारियों व नागरिकों को जानकारी दी गई। देश का पैसा देश में होगा तभी यह देश और विकास करेगा। इसी क्रम में यह क्रम जारी रहेगा अन्य बाजारों में भी व्यापार मंडल द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राकेश सिंह, रामेश्वर गुप्ता, लाला, भैया कृपा शंकर त्रिवेदी, सुशील गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, निर्मल त्रिपाठी, विनय अरोड़ा, राजेश गुप्ता, रामकुमार सिंह, ओम प्रकाश चौटाला, विराट गुप्ता, सोना गोपालानी, अजय आहूजा, पुरुषोत्तम दास आदि उपस्थित रहे।

कानपुर नगरवासियों को विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

कानपुर नगरवासियों को विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

कानपुर नगरवासियों को विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।